सच्ची खबरें का मरकज़

R.N.I. No. UPHIN/2009/28569

आगाज़ टाइम्स

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष: 16 अंक: 36 | लखनऊ मंगलवार 07 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ : 8 | मूल्य: 1 रुपये

सीएम योगी ने काशी की बेटियों को दी सिलाई मशीन, बोले...

आत्मनिर्भर बन रही हैं बहन-बेटियां

- महिलाओं का सफर आसान कर रही सरकार
- पूरे विश्व की महिलाएं पहनेंगी यहां तैयार किए गए कपड़े

वाराणसी,(एजेंसी)। सीएम योगी काशी दौरे पर हैं। सोमवार को उन्होंने काशी की बेटियों को सिलाई मशीन व लैपटॉप दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काशी में दो दिवसीय दौरे पर आए हैं। सोमवार को शिवपुर स्थित अन्नपुर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय में आयोजित काशी अन्नपूर्णा अन्न क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा संचालित सिलाई–कढ़ाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के 14वें सत्रांत में शामिल हुए। इस अवसर पर सीएम योगी द्वारा लगभग 250 बालक–बालिकाओं में सिलाई मशीन, लैपटॉप एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के भव्य आयोजन के लिए अन्नपुर्णा आश्रम के महंत शंकरपुरी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मां अन्नपूर्णा की धरा पर 108 वर्षों से संचालित इस आश्रम में अनेक लोककारी कार्य किए जा रहे हैं। उसके लिए सीएम ने महंत शंकर पुरी व पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने सभी छात्र छात्राओं, बेटियों, बहनों को भी इस प्रकार के प्रशिक्षण के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मां जगत जननी के पूजन– अर्चन के बाद आज शरद पूर्णिमा के अवसर पर हम सभी मां अन्नपूर्णा के इस पुण्य कार्यक्रम में उपस्थित हैं।

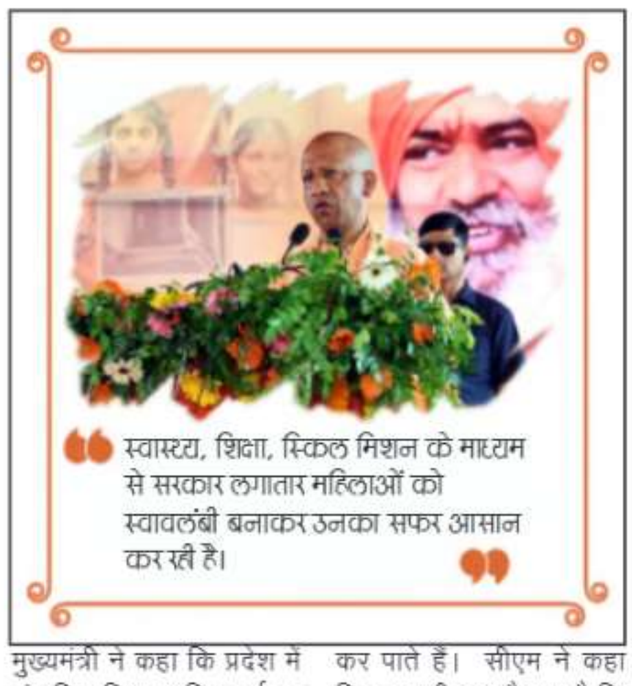

स्वास्थ्य, शिक्षा, स्किल मिशन के माध्यम से सरकार लगातार महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर उनका सफर आसान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में संचालित मिशन शक्ति कार्यक्रम में ये कार्यक्रम जुड़कर नारियों के स्वावलंबन के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव प्रस्तुत करता है। मां अन्नपूर्णा के प्रसाद स्वरूप ही हम अन्न को प्राप्त कर पाते हैं। सीएम ने कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि काशी का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जा रहा है। कहा कि प्रधानमंत्री के नारियों के उत्थान हेतु ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रदेश में 60 लाख महिलाओं को आवास प्रदान करना, 12 करोड़ से ज्यादा लोगों को शौचालय मुहैय्या कराना, 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को गैस कनेक्शन देना, तीन करोड़ लोगों को घरौनी मुहैया कराकर महिलाओं के लिए कार्य किए जा रहे हैं। महिलाओं का सफर आसान कर रही सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, स्किल मिशन के माध्यम से सरकार लगातार महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर उनका सफर आसान कर रही है। उन्होंने बताया कि दुनिया में कृषि के बाद सबसे अधिक लोगो को रोजगार वस्त्र सेक्टर देता है। उन्होंने महिलाओं से कहा कि आप जितनी सिलाई करेंगी, आपकी आय में उतनी अधिक वृद्धि होगी। पूरे विश्व की महिलाएं पहनेंगी यहां तैयार किए गए कपड़े उन्होंने प्रदेश में संचालित वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट का उदाहरण भी दिया।

खगेन मुर्मू पर जानलेवा हमला

- जलपाईगुड़ी में भाजपा सांसद अमित मालवीय ने टीएमसी पर लगाया आरोप

जलपाईगुड़ी,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर जानलेवा हमला किया गया। जानकारी के मुताबिक, ये हमला तब किया गया जब से बाढ़ प्रभावित इलाके में राहत कार्य में शामिल होने के लिए गए थे। इस भाजपा नेताओं ने टीएमसी के कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया है। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर जानलेवा हमला किया है। वहीं इसे लेकर भाजपा नेता अमित मालवीय ने टीएमसी पर आरोप है, एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा– बंगाल में टीएमसी का जंगलराज! उत्तरी मालदा से दो बार सांसद रहे और एक सम्मानित आदिवासी नेता, भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर टीएमसी के गुंडों ने उस समय हमला किया जब वे जलपाईगुड़ी के दुआर्स क्षेत्र के नागराकाटा में विनाशकारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के बाद राहत और बचाव कार्यों में मदद करने जा रहे थे। यह टीएमसी का बंगाल है, जहां क्रूरता का बोलबाला है अमित मालवीय ने अपने पोस्ट में आगे लिखा– जब ममता बनर्जी अपने कोलकाता कार्निवल में नाच रही थीं, तब टीएमसी और राज्य प्रशासन गायब था। जो लोग वास्तव में लोगों की मदद कर रहे थे, भाजपा नेता और कार्यकर्ता, उन पर राहत कार्य करने के लिए हमला किया जा रहा है। यह टीएमसी का बंगाल है, जहां क्रूरता का बोलबाला है और दया की सजा। ममता बनर्जी पूरी तरह से दहशत में– शुभेंदु अधिकारी वहीं पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इस घटना को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा– ममता बनर्जी पूरी तरह से दहशत में हैं। उन्हें (काफी देर से) एहसास हुआ है कि पश्चिम बंगाल की जनता ने उनके श्सेलिब्रिटीज के साथ कार्निवल में नाचनेश के अमानवीय कृत्य को उस समय नफरत की नजर से देखा है।

कमलनाथ बोले- यह बच्चों की हत्या, एसआईटी जांच हो

भोपाल,(एजेंसी)। पूर्व सीएम कमलनाथ ने छिंदवाड़ा में दूषित कफ सिरप से 16 बच्चों की मौत को श्स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की घातक विफलताष बताते हुए राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच, सभी संदिग्ध सिरप की मानकीकृत जांच और पीड़ित परिवारों को तत्काल मुआवजे की मांग की। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोमवार को कथित तौर पर दूषित कफ सिरप से हुई बच्चों की मौतों को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में विशेष जाँच दल (एसआईटी) से जाँच कराने की माँग की। एक पोस्ट शेयर करते हुए, कमलनाथ ने छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि शोकाकुल परिवार सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने लिखा कि छिंदवाड़ा में मासूम बच्चों की मौत की हृदयविदारक खबर ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। जिस छिंदवाड़ा को मैंने घर और परिवार की तरह पाला–पोसा, आज उसी छिंदवाड़ा के आँगन में बच्चों के शव पड़े हैं। मेरा मन अत्यंत व्यथित, व्यथित, द्रवित और क्रोधित है... शोकाकुल परिवारों की चीखें इस सरकार पर सवाल उठा रही हैं। 16 बच्चों की मौत का दावा करते हुए, उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की विफलता का आरोप लगाया। कमलनाथ ने कहा कि जहरीली कफ सिरप से मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई पर जूता उछालने की कोशिश

- चीफ जस्टिस गवई पर जूता उछालने की कोशिश करने वाला वकील हिरासत में, सीजेआई बोले- ऐसी घटनाओं से फर्क नहीं पड़ता

नई दिल्ल,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक चौकाने वाली घटना हुई। यहां सुनवाई के दौरान एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता उछालने की कोशिश की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस शख्स ने कोर्ट के अंदर नारेबाजी भी की। बाद में कोर्ट में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे बाहर निकाला। इससे कुछ देर के लिए कोर्ट की कार्यवाही बाधित रही। लाइव लॉ वेबसाइट के मुताबिक, अदालत में मौजूद लोगों ने बताया कि पकड़े गए शख्स ने नारे लगाए– सनातन धर्म का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने वेबसाइट को बताया कि व्यक्ति ने सीजेआई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी, वहीं कुछ और ने कहा कि चीफ जस्टिस पर कागज का रोल फेंका गया। इस व्यक्ति के वकील की वेशभूषा में होने का भी दावा किया गया है। दूसरी तरफ कानूनी मामलों से जुड़ी वेबसाइट बार एंड बेंच ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि जब सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच वकीलों से केस के बारे में सुन रही थी, तभी एक वकील दौड़ता हुआ आगे आया और अपना चीफ जस्टिस पर हमले के लिए पैर से जूता निकालने की कोशिश करने लगा। हालांकि, लगभग तुरंत ही सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और कोर्ट से बाहर कर दिया। मुख्य न्यायाधीश ने इस घटना के बाद कहा कि उन्हें इन घटनाओं से फर्क नहीं पड़ता। इसके बाद उन्होंने कार्यवाही जारी रखने की बात कही। बताया गया है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में जांच बिठा दी है। वकील की तरफ से इस घटना को अंजाम दिए जाने पर भी पूछताछ जारी है। भगवान पर टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर जताई गई थी नाराजगी गौरतलब है कि खजुराहो के जवारी मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित करने वाली याचिका खारिज करने और सुनवाई के दौरान दिए गए बयानों को लेकर सीजेआई बीआर गवई का सोशल मीडिया पर काफी विरोध हुआ था। तब मुख्य न्यायाधीश ने इन टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए कहा था– शकिसी ने मुझे बताया कि मैंने जो टिप्पणियां की थीं, उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं।श घटना की हुई निंदा सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव एडवोकेट रोहित पांडेय ने कहा, श्आज की घटना बेहद दुखद है। अगर किसी वकील ने अदालत में हमला किया है या करने की कोशिश की है, तो हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। वह हमारे बार का सदस्य है। हमने हाल ही में पूछताछ की तो पता चला कि वह 2011 बार का सदस्य है। लेकिन यह बेहद दुखद घटना है। उन्होंने भगवान विष्णु मामले में श्आप द्वारा की गई टिप्पणी के आधार पर यह प्रयास किया। यह बेहद दुखद घटना है।

प्रियंका गांधी ने सरकार को घेरा, कहा– मिले उचित मुआवजा, हो त्वरित जांच

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रियंका गांधी ने जयपुर के एसएमएस अस्पताल अग्निकांड में हुई मौतों पर संवेदना व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से उचित मुआवजे और त्वरित जांच की मांग की है। उन्होंने घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर जोर दिया, जहाँ प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सोमवार को जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में लगी भीषण आग से प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। प्रियंका गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में राज्य सरकार से प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देने और घटना की गहन जांच कराने की अपील की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि जयपुर के एक सरकारी अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग लगने से कई मरीजों की दर्दनाक मौत की खबर बेहद हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूँ। कांग्रेस नेता ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पोस्ट में लिखा था, श्मैं राज्य सरकार से प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देने, इस घटना की त्वरित जाँच करने और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए कड़ी कार्रवाई करने की अपील करता हूँ।

दार्जिलिंग में बारिश-भूस्खलन: 23 मौतें

- आज सीएम ममता का दौरा, उत्तर बंगाल में सड़कें-पुल ध्वस्त, कटा संपर्क

दार्जिलिंग,(एजेंसी)। दार्जिलिंग बारिश और भूस्खलन का कहर झेल रहा है। अब तक 23 लोगों की मौत हो चुकी है। आज पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रभावित इलाको का दौरा करेंगी। उत्तर बंगाल में कई सड़कें और पुल ध्वस्त होने के कारण दूरदराज के कई गांवों से संपर्क कट गया है। एनडीआरएफ और अन्य एजेंसियां राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। पीएम मोदी ने मदद का भरोसा दिलाया है। मौसम की मार के कारण पड़ोसी देश नेपाल में भी आपदा आई है। पढ़िए ये रिपोर्ट उत्तर बंगाल और सिक्किम में लगातार हो रही भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। दार्जिलिंग और कालिम्पोंग जिलों में पुल टूटने, भूस्खलन और बाढ़ से अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि कई लोग लापता है। प्रशासन ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। इस मूसलाधार बारिश से सबसे ज्यादा नुकसान दार्जिलिंग, कालिम्पोंग और सिक्किम में हुआ है। बारिश के चलते मिरिक और सुकिया इलाके में कई जगह भूस्खलन हुआ है। दार्जिलिंग जिले के मिरिक में लैंडस्लाइड से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। सड़कों पर कई जगह मलबा जम गया है और यातायात पूरी तरह बाधित है। सिक्किम से संपर्क टूट गया है। जिले के कस्बों और पर्यटन स्थलों मिरिक और कुर्सेओंग को जोड़ने वाला दुदिया आयरन ब्रिज भी भरभराकर ढह गया है। भारी बारिश की वजह से फिलहाल सिलीगुड़ी–दार्जिलिंग स्टेट हाईवे–12 पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। एनडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन दलों ने राहत–बचाव कार्य शुरू कर दिया है, लेकिन लगातार बारिश और फिसलन भरी सड़कों के कारण राहत कार्यों में दिक्कत आ रही है। प्रशासन ने लोगों से पहाड़ी रास्तों और नदी किनारों से दूर रहने की अपील की है। भयावह बाढ़ को लेकर सीएम ममता बनर्जी ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित परिवारों को सरकार हर संभव मदद देगी।

दवा कंपनी का सच तलाशने तमिलनाडु जाएगा विशेष जांच दल, 16 बच्चों की मौत

भोपाल,(एजेंसी)। अब तक 16 बच्चों की मौत हो चुकी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने 12 सदस्यीय विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया है, जो तमिलनाडु जाकर दवा कंपनी के कामकाज की जांच करेगी। मध्यप्रदेश में कफ सिरप 'कोल्ड्रिफ' पीने से 16 बच्चों की मौत के मामले की जांच अब एसआईटी करेगी। पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए 12

सदस्यीय विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया है। मामले में डॉ. प्रवीन सोनी को गिरफ्तार कर निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि प्रवीण ने ही ज्यादातर बच्चों को ये कफ सिरप लिखा था। साथ ही कफ सिरप बनाने वाली कंपनी के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। तमिलनाडु से शुरू होगी जांच पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एसडीओपी जितेंद्र सिंह जाट के नेतृत्व में बनी SIT तमिलनाडु जाएगी और दवा कंपनी के कामकाज की जांच करेगी। कफ सिरप से बच्चों की मौत मामले में पहला पोस्टमार्टम कराने बच्ची का शव कब्र से निकाला गया। कब्र से निकाला गया शव मामले की सच्चाई तक जाने के लिए शव पोस्टमार्टम भी किया जाएगा। इसके लिए इस अंतिम पीड़िता दो वर्षीय योगिता ठाकरे के शव को कब्र से बाहर निकाला गया है।

पटना वासियों को मिल गई मेट्रो ट्रेन की सौगात

- टाइम टेबल, किराया और सुविधाओं के बारे में जानें

पटना,(एजेंसी)। चुनाव से पहले आज सीएम नीतीश कुमार पटना मेट्रो के पहले फेज की शुरुआत कर दी है। यह मेट्रो सेवा 4.3 किलोमीटर के रूट पर चलेगी, जो तीन स्टेशनों आईएसबीटी, जीरो माइल और भूतनाथ रोड के बीच संचालित हुई। पटनावासियों के लिए आज बड़ा दिन है। कई साल का इंतजार खत्म हो गया रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सुबह पौने 12 बजे पटना मेट्रो के पहले फेज की सेवा का शुभारंभ कर दिया। पाटलिपुत्र बस टर्मिनल डिपो के पास बने मेट्रो स्टेशन से वह भूतनाथ से न्यू आईएसबीटी तक पहले फेज की मेट्रो के परिचालन का शुभारंभ किया। पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (पीएमआरएल) ने परिचालन की अंतिम तैयारी पूरी कर ली है। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कॉरिडोर वन के तहत पटना जंक्शन सहित छह भूमिगत मेट्रो स्टेशनों और 9.35 किलोमीटर लंबी सुरंग की आधारशिला भी रखेंगे। मेट्रो के कोच को मधुबनी पेंटिंग से खास तौर पर सजाया गया है, जो बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। कोचों में गेट, खिड़कियों और अंदरुनी हिस्सों पर गोलघर, महावीर मंदिर, महाबोधि वृक्ष, बुद्ध स्तूप और नालंदा के खंडहर जैसे बिहार के विश्वप्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के आकर्षक स्टिकर लगाए गए हैं। मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त जनक कुमार गर्ग पहले ही प्रायरिटी कॉरिडोर के तीन स्टेशनों पर मेट्रो के परिचालन को हरी झंडी दे चुके थे हर 20 मिनट के अंतराल पर मिलेगी मेट्रो पटना मेट्रो प्रबंधन के अनुसार, मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त ने सिग्नलिंग सिस्टम, पटरियों की मजबूती, ट्रेन की गति, ब्रेकिंग सिस्टम और अन्य तकनीकी पहलुओं की गहन जांच की है। सभी मानकों पर खरा उतरने के बाद मेट्रो को परिचालन के लिए मंजूरी दी गई। शुरुआत में मेट्रो की अधिकतम गति 40 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। आईएसबीटी से जीरो माइल का किराया 15 रुपये होगा। वहीं न्यू आईएसबीटी से भूतनाथ मेट्रो स्टेशन का किराया 30 रुपये निर्धारित किया गया है। यानी पटना मेट्रो का फिलहाल न्यूनतम किराया 15 रुपये और अधिकतम किराया 30 रुपये होगा।

दीवानी न्यायालय परिसर में पति का गंडासे से पत्नी पर जानलेवा हमला, वकीलों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया

रायबरेली,संवाददाता। जनपद न्यायालय (दीवानी न्यायालय) परिसर में सोमवार को एक सनसनीखेज घटना ने सबको स्तब्ध कर दिया। एक पति ने अपनी पत्नी पर गंडासे (एक प्रकार का धारदार हथियार) से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटनास्थल पर मौजूद वकीलों ने फौरन हामी भरी और आरोपी पति को पकड़कर जमकर पिटाई की, फिर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। घायल महिला को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया है। इस घटना से न्यायालय परिसर में हड़कंप मच गया और अदालत की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। घटना का विवरणरू विवादित दंपति की पेशी के दौरान खूनी खेल घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत स्थित जनपद न्यायालय परिसर में दोपहर करीब 12 बजे घटी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमेठी जिले के जायस कस्बे के पूरे कुमेदान का पुरवा गांव निवासी एक महिला (नाम गोपनीय) का अपने पति मिथुन से लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। यह विवाद तलाक और संपत्ति बंटवारे से जुड़ा बताया जा रहा है। महिला ने अपने पति के खिलाफ कोर्ट में केस दायर किया था और सोमवार को वह अपने वकील से मिलने तथा पेशी के सिलसिले

में रायबरेली कोर्ट पहुंची थी। महिला जैसे ही वकील से बातचीत कर रही थी, तभी पीछे से उसका पति मिथुन अचानक प्रकट हो गया। गुस्से से भरा मिथुन ने जेब से छिपाकर रखा गंडासा निकाला और महिला पर कई वार कर दिए। हमले में महिला के सिर और ऊपरी शरीर पर गंभीर चोटें आईं जिससे वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ी। चीख–पुकार सुनते ही आसपास के वकील और स्टाफ दौड़ पड़े। एक वकील ने महिला को बचाने की कोशिश में आरोपी के हाथों चोट भी खाई। बाकी वकीलों ने मिथुन को मौके पर ही दबोच लिया और उसकी जमकर धुनाई की। इसके बाद आरोपी को शहर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया गया। जिला अस्पताल में भतीर्ू डॉक्टर ने बताई महिला की हालत घायल महिला को फौरन रायबरेली के जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे तत्काल भर्ती कर दिया गया। अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉ. अनुराग शुक्ला ने बताया, ष्महिला के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं, जिसमें खोपड़ी में फ्रैक्चर और गहरा घाव शामिल है। हमने उसे इमरजेंसी में भर्ती किया है और सर्जरी की तैयारी चल रही है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है, लेकिन हम पूरी कोशिश कर रहे हैं। परिवार को सूचित कर दिया गया है।ष् डॉ. शुक्ला ने आगे कहा कि अगर समय पर इलाज मिल जाता है, तो महिला की जान बचाई जा सकती है, लेकिन अभी खतरा बना हुआ है। वकीलों का साहसरू श्हमने तुरंत कार्रवाई की, सुरक्षा पर सवालश घटना के प्रत्यक्षदर्शी वकीलों ने बताया कि कोर्ट परिसर में सुरक्षा के नाम पर केवल एक गेटकीपर और दो चौकीदार थे, कोई (मेटल डिटेक्टर) या सशस्त्र गार्ड नहीं। एक वकील ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ष्हमने देखा कि आरोपी हथियार लेकर अंदर घुस गया। अगर हम नहीं होते, तो महिला की जान जा सकती थी। अदालत की सुरक्षा व्यवस्था को तुरंत मजबूत करने की जरूरत है।ष् वकील बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि कोर्ट में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और सिक्योरिटी बढ़ाई जाए। पुलिस की कार्रवाईरू आरोपी पर हत्या का प्रयास का केस शहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी मिथुन के खिलाफ आईपीसी की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और डाउन (एससीएसटी एक्ट) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। ष्आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है।

मिशन शक्ति के तहत बालिका सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित

रायबरेली,संवाददाता। नगर क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय रायपुर में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बालिका सशक्तिकरण पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगर अध्यक्ष पंकज द्विवेदी ने बालिकाओं की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और समाज में उनकी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "सशक्त बालिका ही सशक्त समाज की नींव होती है।" इस अवसर पर उपनिरीक्षक निशू, उपनिरीक्षक दिव्या तिवारी, जेंडर स्पेशलिस्ट सुषमा कश्यप, तथा ताइक्वांडो प्रशिक्षक पिंकी और सावित्री ने बालिकाओं को आत्मरक्षा,जागरूकता और आत्मविश्वास के महत्व के बारे में जानकारी दी। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका उर्मिला श्रीवास्तव ने बालिकाओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सुमन देवी, पंकज सिंह, सुष्मिता सिंह, किरण देवी और प्रवीण यादव सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं में आत्मरक्षा, आत्मविश्वास और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

भजन और गीतों के साथ भगवान राम के राजतिलक का समारोह कार्यक्रम संपन्न

लालगंजरायबरेली,संवाददाता। लालगंज के अटल चौक गांधी चौराहे पर हो रही रामचरितमानस पाठ के समापन पर प्रसिद्ध विद्वान पंडित राधेश्याम वाजपेई के द्वारा गीत और भजनों के माध्यम से भगवान राम के राजतिलक का गुणगान किया गया। यजमान के रूप में उमाशंकर बाजपेई और रमाशंकर वाजपेई ने भगवान की आरती उतार कर कार्यक्रम का समापन किया।पंडित राधेश्याम वाजपेई ने राजतिलक का वर्णन करते हुए कहा कि रायण वध के बाद भगवान राम ने विभीषण को लंका का राजपाठ सौंपकर पुष्पक विमान से अयोध्या की ओर प्रस्थान किया। अयोध्या पहुंचने पर भरत ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके चरणों में नतमस्तक हुए। गुरु वशिष्ठ ने भगवान राम का राजतिलक किया और उन्हें राजगद्दी पर बिठाया। इस अवसर पर अयोध्या वासियों ने पुष्प वर्षा की और जय श्री राम के जयकारे लगाए। राज्याभिषेक के साथ ही रामराज्य की शुरुआत हुई। भगवान राम के राज्याभिषेक से रामराज्य की शुरुआत हुई, जो एक आदर्श और सुखी राज्य का प्रतीक है। रामराज्य में धर्म और न्याय का पालन किया जाता है, जिससे प्रजा सुखी और समृद्ध होती है। कार्यक्रम के आयोजक रमाशंकर वाजपेई ने कहा कि रामराज्य सनातन संस्कृति के आदर्शों पर आधारित है, जो आज भी प्रासंगिक है। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी जी भी भगवान राम के बताए हुए आदर्शों पर चलकर आदर्श समाज की स्थापना करने का प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर चक्रपाणि त्रिवेदी, विदुर शुक्ला, अनुराग वाजपेई, आयुष वाजपेई ,आदित्य बाजपेई, अर्नव, श्रीमती बाबी बाजपेई, श्रीमती रीतू बाजपेई , रामकुमार गुप्ता ,शिवसागर चौधरी, कुलदीप सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रोतागण मौजूदरहे।

महेंद्र सिंह टिकैत की जयंती पर किसान जागृति दिवस मनाया

नोएडा,संवाददाता। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के संस्थापक महेंद्र सिंह टिकैत की 90वीं जयंती सोमवार को दनकौर क्षेत्र में शकिसान जागृति दिवसश के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर हवन यज्ञ का आयोजन किया गया, साथ ही कार्यकर्ताओं ने रक्तदान और पौधारोपण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान और यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान बीकेयू (टिकैत) के पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना ने महेंद्र सिंह टिकैत को किसानों की आवाज बताया। खटाना ने कहा कि टिकैत की शिक्षाएं आज भी किसानों के संघर्ष का मार्गदर्शन करती हैं। उन्होंने बताया कि जयंती पर कार्यकर्ताओं ने रक्तदान कर और पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस मौके पर सभी कार्यकर्ताओं ने टिकैत के दिखाए मार्ग पर चलते हुए किसान हित में कार्य करने की शपथ ली। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को एकजुट कर उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था।

आरएसएस ने मनाया शताब्दी वर्ष,ग्रेटर नोएडा के दनकौर में निकाला पथ संचलन

नोएडा,संवाददाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने सोमवार को ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में अपना शताब्दी वर्ष मनाया। इस अवसर पर बीडीआरडी कॉलेज में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया और पथ संचलन निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर शिक्षिका रश्मि श्रीवास्तव और विनीत श्रीवास्तव डिजिटल शिक्षक सम्मान 2025से हुए सम्मानित

लालगंजरायबरेली,संवाददाता। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर कंपोजिट विद्यालय ऐहार की वरिष्ठ शिक्षिका रश्मि श्रीवास्तव और अमावा के विनीत श्रीवास्तव डिजिटल शिक्षक सम्मान 2025 की उपाधि से सम्मानित हुए हैं।शिक्षा में आईसीटी आधारित गतिविधियों और नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए आईसीटी की पाठशाला के सौजन्य से आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अंतिम रूप से चयनित होने पर कॉलेज आफ टीचर एजुकेशन प्रयागराज के प्राचार्य अशोक कुमार सिंह के द्वारा अंतरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर डिजिटल शिक्षक सम्मान 2025 से जनपद रायबरेली के उच्च प्राथमिक विद्यालय खैरहना विकास क्षेत्र अमावां के शिक्षक विनीत श्रीवास्तव और कंपोजिट विद्यालय ऐहार विकास क्षेत्र डलमऊ की शिक्षिका रश्मि श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया है। डिजिटल शिक्षक सम्मान के चयन हेतु एक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आईसीटी की पाठशाला के संस्थापक शेखर यादव के दिशा निर्देशन में आईसीटी की पाठशाला के मंच से कराई गई थी जिसमें कक्षा शिक्षण में आईसीटी आधारित गतिविधियों को बिंदुवार प्रमाणित करना था। शिक्षकों के द्वारा फोटो, वीडियो के रूप में उपलब्ध कराए गए साक्ष्यों का मूल्यांकन राज्य स्तरीय समिति ने किया। राज्य स्तर पर चयनित लगभग 50 शिक्षकों की सूची में अंतिम रूप से स्थान बनाने पर दोनों शिक्षकों को विभागीय अधिकारियों ने बधाई दी तथा जनपद के लिए गौरव बताया। प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक मंत्री कीर्ति मनोहर शुक्ला और रेल कोच के अधिकारी अमिय श्रीवास्तव ने दोनों शिक्षकों को बधाई दी है।

थ्रांबोलाइसिस पद्धति से लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर कुमार विमल ने हार्ट अटैक के गंभीर मरीज को दिया जीवन दान

लालगंज रायबरेली,संवाददाता। लालगंज सरकारी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर अमल पटेल और डॉ कुमार विमल की जोड़ी बड़ी ही कुशलता के साथ मरीजो को जीवनदान देने का काम कर रहे हैं। डॉ अमल पटेल ने बताया कि शनिवार को अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने एक गंभीर हार्ट अटैक के मरीज की जान बचाकर इतिहास रचने का काम किया है अन्यथा अब तक रेफर करने का ही काम किया जा रहा था। शहजौरा निवासी एक युवक उमेश को सीने में तेज दर्द की शिकायत थी। परिजन उसे लेकर लालगंज सरकारी अस्पतालआए थे। डॉक्टर ने देखते ही अनुमान लगा लिया कि गंभीर हार्ट अटैक हुआहै। स्थिति नाजुक देखते हुए इमरजेंसी में तैनात डॉ. कुमार विमल, फार्मासिस्ट शैलेंद्र कुमार व बृजेंद्र बहादुर की टीम ने तुरंत थ्रॉम्बोलाइसिस पद्धति अपना कर उसको जीवन दान दिया। डॉक्टर ने बताया कि सीएचसी में पहली बार इस टेक्निक का उपयोग किया गया। प्रक्रिया के तहत दवा की मदद से मरीज की धमनियों में जमे खून के थक्के को घोलकर रक्त प्रवाह को सामान्य किया गया। उपचार के बाद मरीज की हालत में तेजी से सुधार आया। इसके बाद उसे बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने बताया कि हार्ट अटैक के मरीज को समय पर थ्रॉम्बोलाइसिस देने से जान बचाई जा सकती है। डॉ कुमार विमल ने बताया कि एसजीपीजीआई की पहल पर स्टेमी योजना के तहत गंभीर हार्ट अटैक रोगियों के लिए दुर्लभ इंजेक्शन सीएचसी को उपलब्ध कराया गया है। जिसका इस्तेमाल कर युवक की जान बचाई गई है। डॉ अमल पटेल ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि यह लालगंज सरकारी अस्पताल के लिए बड़ी उपलब्धि है। आमजन को भी हार्ट अटैक के लक्षण दिखने पर बिना देर किये तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी। उन्होंने व्यवस्थाएं ठीक करने के लिए योगी सरकार का भी आभार जताया है।

प्राथमिक विद्यालय हंसापुर में संचारी रोग नियंत्रण पखवाड़ा: बच्चों को मिली स्वच्छता की सीख

रायबरेली,संवाददाता। संचारी रोग नियंत्रण पखवाड़ा के अंतर्गत, कोलगेट पामोलिव इंडिया लिमिटेड द्वारा विकास क्षेत्र राही के प्राथमिक विद्यालय हंसापुर में एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को व्यक्तिगत साफ–सफाई और मुंह के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था ताकि उन्हें संचारी रोगों से बचाया जा सके। घ्नोडल ट्रेनर दीपक मिश्रा और अंशिका ने बच्चों को विशेष रूप से दांतों की सफाई और सही तरीके से ब्रश करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को नियमित रूप से दांतों की जांच कराने के महत्व पर भी बल दिया। इसके अतिरिक्त, उन्हें तंबाकू और पान जैसी हानिकारक वस्तुओं का सेवन न करने की सलाह दी गई, जो न केवल मुंह के स्वास्थ्य के लिए, बल्कि सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए भी खतरा हैं। घ्कार्यक्रम के दौरान, विद्यालय की हेडमास्टर मधु सिंह ने संचारी रोगों की पहचान, उनके लक्षण और उनसे बचाव के उपायों के बारे में बच्चों को शिक्षित किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि साफ–सफाई ही इन रोगों से बचने का सबसे आसान और प्रभावी तरीका है। घ्इस जागरूकता अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा 105 बच्चों को टूथपेस्ट और टूथब्रश का वितरण किया गया। यह वितरण नोडल ट्रेनर दीपक मिश्रा और अंशिका द्वारा किया गया, ताकि बच्चे दैनिक रूप से मुंह की स्वच्छता का अभ्यास कर सकें। घ्इस सफल कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ के सदस्य सुधीर सिंह, रेशमा परवीन, नसरीन बानो और कौशिकी तिवारी भी उपस्थित रहे और उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया। इस पहल से बच्चों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति एक नई जागरूकता पैदा हुई है।

संक्षिप्त समाचार

एनएसपीएस त्रिपुला में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

रायबरेली,संवाददाता। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने शिक्षकध्शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों के साथ वाल्मीकि जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रमों में छात्रा प्रिया, श्रेया, जिया और दिव्यांश ने रामचरित मानस का पाठ प्रस्तुत किया और वाल्मीकि जी के जीवन एवं शिक्षाओं पर आधारित लघु नाटिका में छात्र आराध्य ने वाल्मीकि, प्रियांशु ने लव और विराट ने कुश की भूमिका का निर्वहन कर सभी का मन मोह लिया। श्री प्रजापति ने बताया कि संस्कृत भाषा में रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि ने हमें सत्य, धर्म और आदर्श जीवन के मार्ग पर चलने की शिक्षा दी, उन्होंने ज्ञान और साधना के बल पर आत्मबोध प्राप्त कर एक साधारण शिकारी से महान ऋषि और विश्व विख्यात कवि तक का सफर तय किया, उनका यह रूपांतरण हमें शिक्षा देता है कि मनुष्य चाहे किसी भी स्थिति में हो, वह अपने जीवन में शिक्षा, मेहनत, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के द्वारा अपनी दिशा और सोच को बदलकर समाज के लिए प्रेरणा बन सकता है। इस अवसर पर उप–प्रधानचार्य फैजान खान, संयोजिका संचिता त्रिवेदी , शिवकरन पाल, पिंकी जायसवाल, शाहीन खान, अभिषेक श्रीवास्तव, गिरीश श्रीवास्तव सहित शिक्षकध् शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

वन्य जीव सप्ताह के अंतर्गत वन विभाग के द्वारा डिग्री कॉलेज लालगंज में हुआ बृहद वृक्षारोपण और हुई पर्यावरण गोष्ठी

लालगंजरायबरेली। वन क्षेत्राधिकारी नीरज जोशी के पर्यवेक्षण में बैसवारा डिग्री कॉलेज लालगंज में वन विभाग के द्वारा वन्य जीव सप्ताह के अंतर्गत बृहद वृक्षारोपण कराया गया और पर्यावरण बचाओ को लेकर गोष्ठी भी हुई। इस अवसर पर डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ निरंजन राय ने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण का एक महत्वपूर्ण साधन है। पेड़ पौधे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं। वृक्षारोपण से मिट्टी का कटाव भी रोका जा सकता है और जल संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सकता है। डॉक्टर एमडी सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण एक सामूहिक प्रयास है जो हमारे पर्यावरण को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने में मदद कर सकता है। प्रोफेसर रमेश चंद्र यादव ने कहा कि वृक्षारोपण जैव विविधता को बढ़ावा देता है और वन्यजीवों को आश्रय प्रदान करता है।वरिष्ठ फॉरेस्टर महेंद्र मिश्रा और ओमप्रकाश सिंह ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़ पौधे हमें शुद्ध हवा और ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। मिट्टी संरक्षण के तहत वृक्षारोपण मिट्टी के कटाव को रोकने में मदद करता है। वृक्षारोपण जल संरक्षण को बढ़ावा देता है।वृक्षारोपण जैव विविधता को बढ़ावा देता है और वन्यजीवों को आश्रय प्रदान करता है। 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक वन्य जीव सप्ताह मनाया जा रहा है। इस अवसर पर डिग्री कॉलेज के डॉक्टर के के दीक्षित, डॉक्टर मनोज त्रिपाठी सहित बन दरोगाअवनींद्र सिंह, संतोष तिवारी, नीरज शर्मा, राजेश वर्मा आदि बनकर्मी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ आयोजित

लालगंजरायबरेली। मिशन शक्ति फेज 5 के अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय धन्नीपूर में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। सरस्वती पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कोतवाली लालगंज से अर्चना यादव उपनिरीक्षक ,पूजा कांस्टेबल ने बच्चों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया एवं हेल्पलाइन नंबर व उनके प्रयोग बताए ।साथ ही हेल्पलाइन नंबर के पंपलेट भी छात्राओं में वितरित किया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण पर भाषण, महिला सुरक्षा पर भाषण, मिशन शक्ति अभिनय, महिला सशक्तिकरण गीत, मीना की इच्छाएं, गुड टच बैड टच आदि कार्यक्रम छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए। वंदना शुक्ला नोडल मीना मंच ने बालिका शिक्षा का महत्व तथा सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जाने वाली योजनाओं के लाभ बताएं। विद्यालय परिवार द्वारा बनाई गई रंगोली की प्रशंसा सभी अतिथियों द्वारा की गई। मीना मंच की नोडल शशिबाला द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन अंकिता द्वारा किया गया किया गया। कार्यक्रम का संयोजन वरिष्ठ शिक्षक आशीष प्रताप सिंह सेंगर के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय परिवार की मिथिलेश कुमारी इंचार्ज प्रधानाध्यापिका, वंदना सिंह, आशीष प्रताप सिंह ,अनूप सिंह, सोनिका सिंह, पुष्पांजलि पांडे ,पूनम सिंह, रेखा देवी, वैशाली सिंह, स्वाती, शिवदेवी , धर्मेंद्र आदि प्रबुद्ध जन मौजूद रहे।

1.21 करोड़ की धोखाधड़ी में आरोपी गिरफ्तार,फर्जी दस्तावेज के जरिए लिए पैसे

नोएडा,संवाददाता। नोएडा सेक्टर–142 कोतवाली पुलिस ने 1.21 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी में नामजद चौतन्य चौहान उर्फ चमन सिंह को रविवार को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया। इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। रेडटेप लिमिटेड की ओर से की शिकायत में बताया कि चौतन्य चौहान ने विश्वास जीतकर कंपनी को गुजरात और हरियाणा का बकाया टैक्स भुगतान के नाम पर ठगी की। आरोप है चौतन्य ने कंपनी प्रबंधन को यह कहते हुए धोखे में रखा कि कंपनी का रजिस्ट्रेशन न होने के कारण कर भुगतान स्थानीय कंसल्टेंट के जरिए किया जा सकता है। कथित स्थानीय कंसल्टेंट अयुष , आशीष कुमार, अमित कुमार, सोनाली सिन्हा और गौरव रात के बैंक खातों में 67 लाख और 51.84 लाख की रकम गुजरात और हरियाणा सरकार को भुगतान के नाम पर ट्रांसफर कराई। बात में कंपनी की ऑडिट के दौरान पता चला कि जिन चालानों और आदेश पर भुगतान किया गया वो सभी फर्जी है।

रियान पराग का जलवा

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में बनाए सर्वाधिक रन, श्रेयस-प्रभ भी चमके

कानपुर। इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों का जलवा दिखा। रियान, श्रेयस और प्रभसिमरन जहां सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे, वहीं निशांत संधु, आयुष बदोनी और अर्शदीप ने भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लिए। भारत–ए ने ऑस्ट्रेलिया–ए के खिलाफ कानपुर में खेली गई तीन मैचों की अनाधिकारिक वनडे सीरीज में 2–1 से जीत हासिल की। रविवार को खेले गए तीसरे और निर्णायक वनडे में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दो विकेट से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया–ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.1 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 317 रन बनाए। जवाब में भारत ने 46वें ओवर में आठ विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। प्रभसिमरन सिंह (102 रन), कप्तान श्रेयस अय्यर (62 रन) और रियान पराग (62 रन) इस जीत के हीरो रहे। इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों का जलवा दिखा। रियान, श्रेयस और प्रभसिमरन जहां सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे, वहीं निशांत संधु आयुष बदोनी और अर्शदीप ने भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लिए। भारत–ए ने पहला मैच 171 रन से जीता था। वहीं, दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिय–ए ने डकवर्थ लुईस नियम से नौ विकेट से जीत हासिल की थी। रियान पराग का जबरदस्त प्रदर्शन इस अनऑफिशियल वनडे सीरीज में असम के युवा ऑलराउंडर रियान पराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी का ध्यान खींचा। तीन मैचों की इस सीरीज में पराग ने 187 रन बनाए और वह सीरीज के टॉप रन–स्कोरर रहे। उन्होंने पहले वनडे में 67 रन (42 गेंद), दूसरे वनडे में 58 रन (54 गेंद) और तीसरे वनडे में 62 रन (58 गेंद) की ताबड़तोड़ पारियां खेलीं। उनका स्ट्राइक रेट 123.84 का रहा, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का सबूत है। फ्क–। अे ि। वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन खिलाड़ी मैच रन औसत स्ट्राइक रेट रियान पराग 3 187 62.33 123. 84 श्रेयस अय्यर 3 180 60.00 116.88 प्रभसिमरन सिंह 3 159 53.00 121.37 कूपर कॉनॉली 3 147 73.50 145.54 मैकेंजी हार्वी 3 145 72.50 118.85 प्रियांश आर्य 1 101 101.00 120.24 तिलक वर्मा 2 97 48. 50 75.78 जैक एडवर्ड्स 2 89 89.00 120.27 लैचलन शॉ 3 77 38.50 116.67 लियाम स्कॉट 3 73 36.50 112.31 श्रेयस और प्रभसिमरन ने भी दिखाया दम रियान के अलावा टीम इंडिया ए के कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने तीन मैचों में 180 रन बनाए, औसत रहा 60.00 जबकि स्ट्राइक रेट 116.88 का रहा। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने भी तीन मैचों में 159 रन बनाकर टीम को मजबूती दी।

मैच	रन बनाए	गेंद	स्ट्राइक रेट	चौके	छक्के
पहला वनडे	67	42	159.52	8	3
दूसरा वनडे	58	54	107.40	6	2
तीसरा वनडे	62	58	106.89	2	4
कुल	187 रन	-	123.84	16	9

विश्व पैरा एथलेटिक्स में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन

विश्व पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप में भारत के एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड पदक जीते। 5 अक्टूबर 2025 को संपन्न हुए इस आयोजन में भारत ने 22 पदक जीते।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप में भारत के एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड पदक जीते। 5 अक्टूबर 2025 को संपन्न हुए इस आयोजन में भारत ने 22 पदक जीते। यह उपलब्धि प्रतियोगिता के इतिहास में देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। नवदीप सिंह, प्रीति पाल, सिमरन शर्मा और संदीप उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने भारत की सफलता में योगदान दिया और देश को कुल मिलाकर 10वें स्थान पर पहुँचाया। नवदीप सिंह की रजत पदक जीत सभी का ध्यान दर्शकों के चहेते नवदीप सिंह पर था, जिन्होंने पेरिस पैरालिंपिक में पुरुषों की 41 भाला फेंक प्रतियोगिता में अपने मजेदार और गालियों से भरे जश्न के लिए सुर्खियाँ बटोरीं। नवदीप ने पेरिस में 47.32 मीटर भाला फेंककर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता था। रविवार को भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जब दर्शकों ने उनके कार्यक्रम के दौरान उनका उत्साहवर्धन किया। 45.46 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ, नवदीप ने रजत पदक जीता। ईरान के सादेघ बेत सयाह, जिन्हें पेरिस पैरालिंपिक में सबसे लंबा थ्रो करने के बावजूद अयोग्य घोषित कर दिया गया था, उनसे आगे रहे। 24 वर्षीय नवदीप अच्छी तरह से वार्म–अप करते दिख रहे थे, जब 45.46 मीटर के उनके तीसरे प्रयास ने, जो इस सीजन का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, उन्हें सयाह को छोड़कर बाकी सभी एथलीटों से आगे कर दिया। यह भारतीय एथलीटों के लिए मानसिक दृढ़ता का दिन था, क्योंकि सिमरन शर्मा ने थकान और पीठ में जकड़न के बावजूद, एक गर्म और उमस भरी शाम में महिलाओं की 200 मीटर टी12 स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। इस बेहद नाटकीय दिन में जब भारत ने तीन रजत और एक कांस्य पदक जीता, महिलाओं की 100 मीटर टी35 स्पर्धा की एथलीट प्रीति पाल ने मानसिक दृढ़ता का भरपूर प्रदर्शन किया और रजत पदक जीता, जबकि स्टार्टर पिस्टल में खराबी के कारण उन्हें दो बार कठिन परिस्थितियों में प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी।

भारत से एशिया कप ट्रॉफी विवाद पर पाकिस्तान ने मोहसिन नकवी को सराहा

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख और एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकच्वी को "शहीद जुल्फिकार अली भुट्टो एक्सीलेंस गोल्ड मेडल" से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें एशिया कप ट्रॉफी विवाद के दौरान उनके "साहसिक और सिद्धांत आधारित रुख" के लिए दिया जा रहा है। 'द नेशन' की रिपोर्ट के अनुसार, सिंध और कराची बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट गुलाम अब्बास जमाल ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि नकच्वी ने भारत के साथ बढ़ते राजनीतिक और खेल तनाव के बीच पाकिस्तान का "राष्ट्रीय गौरव वापस दिलाया" है। यह विवाद एशिया कप फाइनल के बाद तब शुरू हुआ, जब भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी नकच्वी से लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद नकच्वी ने ट्रॉफी अपने पास रखी और सोशल मीडिया पर कहा कि "अगर भारतीय टीम वास्तव में चाहती है, तो वे ।ब्ब मुख्यालय से इसे ले सकते हैं।" नकच्वी ने ग (पहले ट्विटर) पर लिखा, "मैंने कुछ गलत नहीं किया और मैं बीसीसीआई से माफी नहीं मांगूंगा।" इस बयान के बाद पाकिस्तान में उन्हें खेल और राजनीति दोनों क्षेत्रों में काफी सराहना मिली। रिपोर्ट के अनुसार, कराची में एक औपचारिक समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (च्च्च्) के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की तारीख उनकी उपलब्धता के बाद तय की जाएगी। आयोजन समिति का नेतृत्व सिंध बास्केटबॉल एसोसिएशन के चेयरमैन खालिद जमील शम्सी कर रहे हैं, जबकि स्पोर्ट्स डायरेक्टर और कमिश्नर कराची गुलाम मोहम्मद खान को सचिव बनाया गया है। गुलाम अब्बास जमाल ने कहा, "यह सिर्फ क्रिकेट का मामला नहीं है, बल्कि गरिमा और आत्मसम्मान का प्रतीक है दबाव में न झुकने का संदेश है।" एशिया कप के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव पहले से ही चरम पर था। भारत ने अपने खिलाड़ियों को पाकिस्तानी टीम से हाथ मिलाने से मना किया था। फाइनल मैच में भारत ने जीत हासिल की, लेकिन नकच्वी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। अब बीसीसीआई ने इस मामले को ।ब्ब की बैठक में उठाया है और उम्मीद है कि इसे नवंबर में प्ब्ब के सत्र में भी उठाया जाएगा। यह पूरा मामला उस समय हुआ जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया था, जिसके जवाब में भारत ने "ऑपरेशन सिंदूर" के तहत सीमा पार कार्रवाई की थी।

कमाई का मौका!

केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 253–266 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इससे कंपनी का ऊपरी छोर पर मूल्यांकन करीब 5,300 करोड़ रुपये आंका गया है।

केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 253–266 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इससे कंपनी का ऊपरी छोर पर मूल्यांकन करीब 5,300 करोड़ रुपये आंका गया है। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा, 1,326 करोड़ रुपये का आईपीओ नौ अक्टूबर को खुलेगा और 13 अक्टूबर को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक आठ अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे। बिक्री पेशकश के तहत प्रवर्तक केनरा बैंक और ओरिक्स कॉर्पोरेशन यूरोप एनवी (जिसे पहले रोबेको ग्रुप एनवी के नाम से जाना जाता था) क्रमश: 2.59 करोड़ शेयर तथा 2.39 करोड़ शेयर बेचेंगे। यह आईपीओ पूर्णत: 4.98 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है जिसमें कोई नया निर्गम घटक नहीं है। केनरा रोबेको में केनरा बैंक की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि शेष हिस्सेदारी ओरिक्स कॉर्पोरेशन के पास है।

आयुष्मान कार्ड को कौन से लोग नहीं बनवा सकते है? ऐसे लोगों के लिए विकल्प क्या है?

आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए पात्रता और अपात्रता को सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है। आमतौर पर आयुष्मान कार्ड ग्रामीण और असंगठित क्षेत्र के गरीब, अनुसूचित जाति–जनजाति, दिव्यांग परिवार, दैनिक वेतन मजदूर, घरेलू कामगार, रिक्शा चालक, कंडक्टर और ऐसे अन्य कमजोर वर्ग के लिए बनाया जाता है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। वहीं, अन्य लोग इसके पात्र नहीं हैं। अपात्र लोगों के लिए भी सरकार ने वैकल्पिक व्यवस्था की है, जिसका लाभ वे उठा सकते हैं। इसलिए यदि आप भी आयुष्मान कार्ड के लिए अप्लाई करना चाह रहे हैं तो पात्रता–अपात्रता सम्बन्धी सभी बातें जान लीजिए, फिर आवेदन कीजिए, अन्यथा आपको कार्ड बनवाने या उसके उपयोग में कभी भी दिक्कत हो सकती है। बता दें कि आयुष्मान कार्ड नहीं बनवाने वाले लोग वे हैं जो सरकार की योजना के नियमों और पात्रता के अनुसार इस स्कीम के अंतर्गत नहीं आते, क्योंकि यह योजना समाज के अत्यंत गरीब यानी बिल्कुल निर्धन लोगों के लिए ही बनाई गई है। वहीं, देखा जा रहा है कि जो इसके लिए पात्र नहीं हैं, वो भी प्रशासन की आंख में धूल झोंककर इसका कार्ड बनवा लेते हैं और इसका लाभ लेते रहते हैं। लेकिन जब उनकी कलई खुलेगी तो समस्त लिए हुए लाभों को वापस भी करना पड़ सकता है। दरअसल, सरकारी अधिसूचना के मुताबिक, मुख्यत: निम्नलिखित प्रकार के लोग आयुष्मान कार्ड के लिए अपात्र समझे जाते हैं, यानी कि उनका आयुष्मान कार्ड कदापि नहीं बनाया जा सकतारू– पहला, जो लोग संगठित क्षेत्र में काम करते हैं, जैसे– सरकारी कर्मचारी, जिनका पीएफ कटता है, या जो ईएसआईसी (एम्पलाई स्टेट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन) के लाभार्थी हैं। दूसरा, जो लोग टैक्स भरने की श्रेणी में आते हैं यानी जिनकी आमदनी अधिक होती है। तीसरा, जिनके पास अच्छी संपत्ति है, जैसे– पक्का मकान या बड़े जमीन के मालिक। चतुर्थ, जिनके पास खेती के लिए मशीनरी या 5 एकड़ से अधिक खेत हैं। पंचम, जिनकी मासिक आय ₹10,000 से ज्यादा है। षष्टम, किसान जिन्हें 50,000 तक का क्रेडिट मिला है या जिनके पास मोटर गाड़ी या मशीनी उपकरण हैं। इसलिए जब भी आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन किया जाए तो सबसे पहले अपनी पात्रता के विभिन्न मुख्य बिन्दुओं के अनुसार खुद की जांच कर लें ताकि आवेदन करने में कोई दिक्कत न हो। यदि आप संगठित क्षेत्र में काम करते हैं या टैक्स कैटेगरी में आते हैं, तो आपका आवेदन अस्वीकृत हो सकता है। इसलिए अपना आवेदन सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर पात्रता चेक करने के बाद ही करें। आयुष्मान कार्ड के लिए अपात्रता (न नहीं बनवा सकते) की पूरी सूची इस प्रकार हैरू पहला, संगठित क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्ति जिनका पीएफ कटता है। दूसरा, ईएसआईसी (एम्पलॉई स्टेट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन) के लाभार्थी। तीसरा, आयकरदाता जिनकी आय सीमा योजना के ऊपर है। चतुर्थ, जिनके पास पक्का मकान या बड़ी संपत्ति (जमीन आदि) है। पंचम, खेती के लिए औद्योगिक मशीनरी के मालिक या जिनके पास 5 एकड़ से अधिक खेती की जमीन है। षष्टम, जिनकी मासिक आय ₹10,000 से ज्यादा हो। सप्तम, जिनके पास मोटर वाहन या खेती–बाड़ी के उपकरण हैं जिनकी कीमत ₹50,000 से ज्यादा हो। अष्टम, सरकारी कर्मचारी और जिनके पास सरकारी नौकरी हो। नवम, वे लोग जो किसी अन्य सरकारी स्वास्थ्य योजना के लाभार्थी हैं।

संक्षिप्त

अनुराग ठाकुर सर्वसम्मति से हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ के अध्यक्ष चुने गए

पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर से सांसद अनुराग ठाकुर रविवार को सर्वसम्मति से हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ के अध्यक्ष चुने गए। उन्हें यहां संघ की वार्षिक आम बैठक में अध्यक्ष चुना गया। संघ के निवर्तमान अध्यक्ष वीरेंद्र कंवर को सर्वसम्मति से मुख्य संरक्षक चुना गया। चौपाल विधायक बलबीर वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गए जबकि राजेश भंडारी महासचिव बने। अमिताभ शर्मा कोषाध्यक्ष नियुक्त किए गए। ईश्वर रोहल, उषा बारोवालिया और नरेंद्र अत्री उपाध्यक्ष चुने गए जबकि राज कुमार निट्ठू, डॉ राहुल पठानिया और रमेश चौहान संयुक्त सचिव बनाए गए।

मोहम्मद सिराज ने किया बड़ा खुलासा, कहा- अगर जसप्रीत बुमराह ओवल में खेलते तो करियर खत्म...

टीम इंडिया और दुनिया के बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए फिटनेस अक्सर चुनौती बनी रहती है। उनके वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर हमेशा ही चर्चा रहती है। जिस पर काफी बहस भी होती है। कुछ समय पहले इंग्लैंड दौरे के दौरान 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह केवल 3 मैच खेले थे। जिस कारण उनकी काफी आलोचना हुई थी। वहीं द इंडियन एक्सप्रेस के एक इवेंट के दौरान ओवल टेस्ट के हीरो मोहम्मद सिराज ने बुमराह को लेकर बड़ा खुलासा किया। इस दौरान सिराज ने बुमराह की पीठ की सर्जरी का हवाला देते हुए कहा कि ओवल में वह खेलते तो उनका करियर खत्म हो सकता था। भारतीय फैंस को समझना चाहिए की बुमराह टीम की रीढ़ की तरह हैं। उन्होंने बेहतर फैसला लिया। इस दौरान सिराज ने कहा कि, बुमराह भाई बाहरी राय की परवाह नहीं करते। उनकी पीठ में गंभीर चोट थी और एक बड़ी सर्जरी भी हुई थी। अगर उन्होंने उस मैच में गेंदबाजी की होती और चोट उभर जाती तो क्या पता वह फिर कभी दोबारा गेंदबाजी कर पाते या नहीं। ये इतनी गंभीर है। वह चोट बहुत गंभीर है। उनका गेंदबाजी एक्शन बहुत मुश्किल है। वह भारत के लिए एक अहम गेंदबाज है और एशिया कप से लेकर अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप तक उनकी उपलब्धता अहम है।

इरफान पठानने बिना नाम लिए पाकिस्तान के लिए मजे, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने किया कमाल

रविवार को भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें भिड़ी। जहां भारत ने पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम को 88 रनों से हराया। कैलेंडर की तारीखें बदलती रीं लेकिन नहीं बदले तो नतीजे। हर संडे को नतीजा एक ही रहता है भारत की जीत। महिला वनडे वर्ल्ड कप का मुकाबला और भारतीय महिलाओं ने एकतरफा अंदाज में पाकिस्तानी टीम को शिकस्त दी। मैच के बाद पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को ट्रोल किया। पठान ने एक्स पर पोस्ट किया कि, यूं ही एक और संडे। खाना सोना जीतना दोहराना टीम इंडिया। उन्होंने अपने पोस्ट में पाकिस्तान का नाम नहीं लिया लेकिन पिछले 4 रविवार से भारत के हाथों उसके लगातार पिटने की तरफ इशारा किया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी पाकिस्तान पर जीत की वही कहानी वडने वर्ल्ड कप में दोहराना। रविवार को श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में दोनों देशों की महिला क्रिकेट टीम आमने–सामने थीं। एशिया कप की तरह ही महिला वर्ल्ड कप में भी दोनों टीमों ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाए। टॉस के दौरान भारत की कप्तान हमनप्रीत कौर और पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने हाथ नहीं मिलाए। मैच खत्म होने के बाद दोनों टीमों की खिलाड़ी ग्राउंड से सीधे अपने–अपने ड्रेसिंग रूप चली गई। हाथ नहीं मिलाए गए।

वर्ल्ड कप में 20 साल बाद भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत, देखें दोनों के आंकड़े

आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में 5 अक्तूबर, रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत होगी। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने जहां श्रीलंका को हराकर अपना विजयी आगाज किया वही पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। वहीं अब कोलंबो में इस हाईवोल्टेज मुकाबले का हर किसी को इंतजार है। खास बात ये है कि महिला वनडे वर्ल्ड कप में ये सिर्फ दूसरा मौका है जब दोनों टीमें आमने–सामने होंगी। आखिरी बार 2005 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें आपस में भिड़ी थीं। वहीं वनडे क्रिकेट में भारतीय महिला टीम पाकिस्तान के खिलाफ कभी नहीं हारी है। दोनों टीमें कुल 11 बार वनडे मुकाबले में भिड़ी हैं। सभी 11 मैच भारतीय महिला टीम ने अपने नाम किए हैं। आखिरी बार दोनों टीमें 2022 में वनडे मैच खेलने के लिए आमने–सामने थीं। उस मैच में भारत ने पड़ोसी देश को 107 रनों से हराकर करारी शिकस्त दी थी। वहीं वर्ल्ड कप की बात करें तो भारतीय टीम ने 2005 में एकमात्र वर्ल्ड कप मुकाबला पाकिस्तान से खेला है। कराची में हुए उस मुकाबले में भारत ने 193 रनों से बेहतरीन जीत दर्ज की थी। अब वर्ल्ड कप में दूसरी बार और ओवरऑल वनडे में 12वीं बार दोनों टीमें आमने–सामने होंगी। भारतीय टीम की बात करें तो टीम इस समय बेहतरीन फॉर्म में है। हालांकि, पहले मैच में स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला नहीं चला था। लेकिन वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया जैसे खतरनाक टीम को भारत ने नाकों चने चबवा दिए थे। स्मृति ने बैक टू बैक दो ताबड़तोड़ ऐतिहासिक शतकीय पारियां खेली थीं। जबकि पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश के हाथों शर्मनाक हार झेलकर आई थी। पाकिस्तान की टीम पहले मुकाबले में महज 129 रन पर ही ढेर हो गई थी। ऐसे में भारतीय टीम का पलड़ा इस मुकाबले में बिल्कुल भारी रहने का आसार है।

नीतीश कुमार रेड्डी को पहली बार वनडे टीम में मिली जगह, रविंद्र जडेजा को किया बाहर? जानें अजीत अगरकर ने क्या जवाब दिया

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नीतीश कुमार रेड्डी को मौका मिला है। ये पहली बार है जब नीतीश को वनडे टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, टीम के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को टीम में शामिल नहीं किया गया है।

सम्पादकीय

सेना प्रमुखों के बयान

वार्षिक वायुसेना दिवस पर वायुसेना प्रमुख एअर चीफ मार्शल एपी सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन में एक प्रश्न के उत्तर में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद विभिन्न आतंकवादी समूहों द्वारा अपने ठिकानों को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थानांतरित करने के बारे में कहा कि यह अपेक्षित था और भारतीय वायुसेना उनके ठिकानों पर सटीक निशाना लगाने के लिए अंदर तक जाकर हमला कर सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना ने 'रोडमैप 2047' के तहत अपनी लड़ाकू क्षमता का विस्तार करने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है और अपनी शक्ति को बढ़ाने के लिए अगले दो दशक तक बल को हर साल लड़ाकू जेट सहित 35 से 40 नए विमानों की आवश्यकता होगी। विभिन्न सवालों के जवाब में उन्होंने खुफिया रिपोर्टों और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के माध्यम से एकत्र किए गए सबूतों का हवाला देते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को हुए नुकसान का विवरण दिया। उन्होंने कहा कि खुफिया रिपोर्ट से हमें जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार इन हमलों के कारण, कम से कम चार जगहों पर रडार, दो जगहों पर कमान और नियंत्रण केंद्र, दो जगहों पर रनवे और फिर तीन अलग–अलग स्टेशन पर उनके तीन हैंगर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि हमें एक सी–130 श्रेणी के विमान, एक प्रारंभिक चेतावनी व नियंत्रण प्रणाली श्रेणी के विमान और कम से कम चार से पांच लड़ाकू विमानों, जिनमें संभवतः एफ–16 शामिल हैं, को नुकसान पहुंचने के संकेत मिले हैं। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि 300 किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार करने वाले लंबी दूरी के हमले के स्पष्ट सबूत हैं, जिसमें एफ–16 और जेएफ–17 श्रेणी के पांच आधुनिक लड़ाकू विमानों को भी निशाना बनाया गया। एक हैंगर में पाकिस्तान के एफ–16 विमान को नुकसान पहुंचने की खबरें थीं, लेकिन यह पहली बार है जब भारतीय वायुसेना ने अमेरिका निर्मित विमान को निशाना बनाने की पुष्टि की। जेएफ 17 एक चीनी विमान है। वायुसेना प्रमुख द्वारा साझा किए गए विवरण के अनुसार, पाकिस्तान ने 12 से 13 विमान खोए हैं। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले में अनूपगढ़ में सैनिकों को संबोधित करते हुए सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि भारत एक देश के तौर पर इस बार पूरी तरह तैयार है और वह 'आपरेशन सिंदूर' 1.0 के दौरान दिखाए गए संयम का परिचय इस बार नहीं देगा। इस बार हम एक कदम आगे बढ़ेंगे और इस तरह से काम करेंगे कि पाकिस्तान यह सोचने पर मजबूर हो जाएगा कि वह दुनिया के नक्शे पर बना रहना चाहता है या नहीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर पाकिस्तान दुनिया के नक्शे पर अपनी जगह बनाए रखना चाहता है, तो उसे सरकार प्रायोजित आतंकवाद को रोकना होगा। सेना प्रमुख ने सैनिकों से कहा कि अभी से पूरी तरह तैयार रहो, अगर ईश्वर ने चाहा तो जल्द ही मौका आएगा। उन्होंने कहा कि भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान दुनिया को पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों की मौजूदगी के सबूत दिए। अगर भारत ने ये सबूत उजागर नहीं किए होते तो पाकिस्तान ये सब छिपा लेता। सेना प्रमुख ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद जब भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया तो पूरी दुनिया उसके साथ खड़ी थी। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर नौ ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें से सात को थलसेना और दो को वायुसेना ने निशाना बनाया। जनरल द्विवेदी ने कहा कि हमने ठिकानों की पहचान इसलिए की थी क्योंकि हम केवल आतंकवादियों को नुकसान पहुंचाना चाहते थे। हमारा लक्ष्य उनके ठिकानों पर हमला करना था। हमें आम पाकिस्तानी नागरिकों से कोई शिकायत नहीं है, बशर्ते उनका देश आतंकवादियों को प्रायोजित न करे। भारतीय सेना के प्रमुखों द्वारा दिए गए उपरोक्त बयानों से पाकिस्तान द्वारा 'आपरेशन सिंदूर' को लेकर जो झूठ बोले जा रहे हैं व उसके कारण जो भ्रम–भ्रांतियां फैली उन सब का जवाब दे दिया गया है। इसके साथ–साथ पाकिस्तान को चेतावनी भी दे दी है कि अगर भविष्य में उसने कोई शरारत की तो उसे मुंह तोड़ जवाब मिलेगा। पाकिस्तान जब से अस्तित्व में आया है वह भारत विरुद्ध ही चलता रहा है। पाकिस्तान की नकारात्मक सोच का ही परिणाम है कि पाकिस्तान आज अराजकता के भंवर में फंसा है। अगर पाकिस्तान नकारात्मक सोच और भारत विरोध को नहीं छोड़ता तो एक दिन वह अराजकता के भंवर में डूब जाएगा। भारत एक सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रहा है, वह पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध चाहता है, लेकिन ताली एक हाथ से नहीं बजती। पड़ोसी देशों को भी भारत प्रति सकारात्मक सोच रखनी होगी तभी क्षेत्र में शांति व खुशहाली होगी।

दहेज का दानव

एजेन्सी

> *इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है।*

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खर्चीली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां–बाप को दहेज

देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी। निस्संदेह, हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दर्शाते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

मासूम मौतें, बेफिक्र सरकार

भाजपा शासित मध्यप्रदेश और राजस्थान में पिछले एक महीने में कम से कम 15 बच्चों की मौत केवल इसलिए हुई है क्योंकि उन्हें दवा के नाम पर जहर पीने को मिला। यूं तो निर्दोषों की अकाल मौत पर दुख होता है, नाराजगी होती है, लेकिन मासूम बच्चे जब सरकारी लापरवाही का शिकार होकर दम तोड़ें तो दुख और नाराजगी के साथ बेबसी भी जाहिर होती है कि आखिर हम किस तरह के शासन में रह रहे हैं, जहां कुछ लोगों के लालच और फायदे में मासूमों की जान चली जाए और इस पर केवल अफसोस की रस्म अदायगी हो। दोनों जगह भाजपा की सरकार है तो अब इस्तीफे की उम्मीद करना बेकार है। याद करें, उत्तरप्रदेश में इसी तरह ऑक्सीजन की कमी से कई बच्चों की मौत हो गई थी और बजाय दोषियों को सजा देने के, इसमें भी हिंदू–मुसलमान का एंगल तलाश लिया गया। अब मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी कांग्रेस भाजपा सरकार के मंत्रियों से इस्तीफे तो मांग रही है, लेकिन इस मांग की कहीं सुनवाई नहीं होगी, यह तय है। कायदे से तो देश का प्रधानमंत्री होने के नाते नरेन्द्र मोदी को खुद इस पर संज्ञान लेना चाहिए। उन्हें पं. नेहरू की तरह बच्चों का पसंदीदा बनने का बड़ा ख्वाब है, इसीलिए परीक्षा पर चर्चा करते हैं, अपनी रैलियों में बच्चों से मिलते हैं, लेकिन नेहरूजी या शास्त्रीजी की तरह नैतिक हिम्मत दिखाकर शासन नहीं कर सकते। वैसे भी श्री मोदी का सारा ध्यान इस समय बिहार चुनाव पर लगा है, इसके बाद तमिलनाडु, केरल, प.बंगाल, असम पर फोकस चला जाएगा। मध्यप्रदेश और राजस्थान तो भाजपा जीत ही चुकी है, इसलिए अब यहां कुछ भी होता रहे, कम से कम अगले चुनावों तक उसे फर्क नहीं पड़ेगा। मध्यप्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने के बाद बच्चों की मौत हुई है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 7 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच कुल 11 बच्चों की किडनी खराब होने से मौत हो चुकी है, और कम से कम पांच बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि ज़्यादातर बच्चों की मौत किडनी को चोट पहुंचने से हुई है। बच्चों की रीनल बायोप्सी जांच के बाद यह पता चला था कि किसी जहरीले पदार्थ से किडनी को चोट पहुंची और उसने काम करना बंद कर दिया जिसके बाद बच्चों की मौत हुई। इन बच्चों ने कफ सिरप पी थी और उसमें ही जहरीला पदार्थ होने की बात सामने आई है। कोल्ड्रिफ नाम के इस कफ सिरप में अत्यधिक जहरीली रसायन डायथाइलीन ग्लाइकॉल की मौजूदगी पाई गई। इसके बाद शनिवार को मध्यप्रदेश सरकार ने इस सिरप की बिक्री, वितरण और निपटान पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यह फैसला लैब टेस्ट की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया, जिसमें सिरप को श्अधिकारिक रूप से खराब और मिलावटीश घोषित किया गया। कोल्ड्रिफ को तमिलनाडु के एक संयंत्र में बनाया जा रहा था। जब तमिलनाडु सरकार में इसकी शिकायत की गई तो फौरन ही सिरप की जांच कराई थी, जिसमें पाया गया कंपनी गलत ढंग से सिरप को तैयार कर रही थी। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने 1 अक्टूबर 2025 को ही इस सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी, क्योंकि इसमें तमाम जानलेवा बैक्टीरिया छोटे बच्चों की मौत की वजह बने। लेकिन बताया जा रहा है कि तमिलनाडु सरकार की जांच रिपोर्ट जब सार्वजनिक हुई तो केंद्र सरकार की एजेंसियों ने तमिलनाडु सरकार की रिपोर्ट को झुठलाने की कोशिश की। बेशक यह कफ

सिरप तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल्स में बन रहा था। लेकिन कंपनी पर कार्रवाई का अधिकार केंद्र सरकार और केंद्रीय एजेंसियो के पास है। लिहाजा कार्रवाई की पहल वहीं से होनी चाहिए थी। तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर ने कहा कि केंद्र सरकार को इस जांच रिपोर्ट से अवगत कराया गया लेकिन वहां से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। गनीमत यह है कि मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार ने अब ऐसे विषाक्त कफ सिरप पर रोक लगाई है और बच्चों की मौत पर अफसोस भी जाहिर किया है। लेकिन इससे जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। तमिलनाडु सरकार ने जब दवा की जांच एक दिन में पूरी कर रिपोर्ट जारी कर दी, तो मध्यप्रदेश और राजस्थान में यही काम पहले क्यों न हो सका। क्यों बिना जांच के दवा सरकारी अस्पतालों तक पहुंची। बच्चों के मामले में तो खिलौनों, कपड़ों, जूतों से लेकर खाने–पीने के सामान तक अतिरिक्त सावधानी बरती जाती है, क्योंकि उन्हें सही या गलत, ठीक या खराब गुणवत्ता की परख नहीं होती है। मासूम बच्चे ये भी नहीं बता पाते कि उन्हें किस चीज के सेवन से तबियत ठीक नहीं लग रही है। इस बारे में माता–पिता अनुमान लगाते हैं और डॉक्टरों के भरोसे ही रहते हैं। डॉक्टरों ने जो दवा लिखकर दे दी, उस पर आंख मूंदकर यकीन करते हुए अपने बच्चों को पिला देते हैं। लेकिन मध्यप्रदेश और राजस्थान में इस यकीन को ऐसा चकनाचूर किया गया कि मां–बाप को जीवन भर का दुख दे गया। क्या फर्क पड़ता है कि अब कितनी दवाओं को प्रतिबंधित किया गया है, कितने डॉक्टरों का निलंबन हुआ है। मासूमों की मौत पर समाज में जो बड़े पैमाने पर उद्वेलन दिखना चाहिए था, वह नदारद है। सरकार भी इस बात को अच्छे से जानती है कि लोगों की प्राथमिकताओं को प्रभावित करने में उसे सफलता मिल चुकी है। मीडिया इसमें सरकार का पूरा साथ दे रहा है। अन्यथा अब तक इसे सांगठनिक हत्या मानकर सरकार से जवाबदेही की मांग सुर्खियों में रहती। नोटबंदी में मौतें, कोरोना काल और लॉकडाउन में असंख्य मौतों से जब सरकार का दिल नहीं पसीजा तो अब क्या कोई फर्क पड़ेगा, यह देखना होगा।

मेष :– भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनायें।

बृषभ :– नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार हैं। पुराने संबंधों से लाभ संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। आर्थिक सुदृढ़ता हेतु मन चिंतित होगा।

मिथुन :– विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता बरतें।

कर्क :– भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में मनोवान्छित सफलता मिलने के आसार हैं। मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित होगा। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी।

सिंह :– कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

कन्या :– भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय संभव। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे अपयश या लान्छन मिले।

तुला :– निकट संबंधो में भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में मनोवान्छित सफलता मिलने के आसार हैं। संतान संबंधी महत्वपूर्ण दायित्व अपनी पूर्ति हेतु दवाब बनाएंगे।।

वृश्चिक :– परिवार में कोई सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ मिलेगा। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे। घर में खुशहाली रहेगी।

धनु :– कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें।

मकर :– महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। किसी नये संबंध के प्रति निकटता बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

कुंभ :– कुछ नये पारिवारिक तनावों से मन अशांति से प्रभावित रहेगा। कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। शिक्षार्थी शिक्षा में ध्यान दें। महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति आलस्य न करें।

मीन :– नयी आशाएं नवीन उत्साह का संचार करेंगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें। क्रोध पर काबू रखें और आवेश में कोई निर्णय न लें। घर–परिवार में मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

देश की जनसंख्या प्रगति का पैमाना या अवरोध की अवधारणा

संजीव ठाकुर

> *संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में भारत ने लगभग 142.86 करोड़ (1.4286 अरब) की आबादी के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बनने का गौरव प्राप्त किया। लेकिन यह उपलब्धि जितनी गौरवशाली है।*

भारत की जनसंख्या अब मात्र एक आँकड़ा नहीं, बल्कि एक चुनौती और अवसर दोनों का प्रतीक बन चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में भारत ने लगभग 142.86 करोड़ (1.4286 अरब) की आबादी के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बनने का गौरव प्राप्त किया। लेकिन यह उपलब्धि जितनी गौरवशाली है, उतनी ही चिंताजनक भी। जनसंख्या वृद्धि दर अभी लगभग 0.81 : है और कुल उर्वरता दर 2.0 पर स्थिर हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर (2.1) के करीब है। भारत की लगभग 68 : आबादी कार्यशील आयु वर्ग (15दृ64 वर्ष) में है, जो विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति का निर्माण करती है। यह स्थिति भारत के लिए "जनसंख्या लाभांश" का अवसर प्रस्तुत करती है, बशर्ते कि इसे शिक्षा, कौशल और रोजगार की दिशा दी जाए। यदि यह जनसंख्या शिक्षित, प्रशिक्षित और उत्पादक बनी तो यही भारत को आर्थिक महाशक्ति बना सकती है, परंतु यदि यही जनसंख्या बेरोजगारी, अशिक्षा और संसाधनों के अभाव में उलझी रही, तो यही राष्ट्र के लिए बोझ भी बन सकती है। नंतभारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि प्रत्येक वर्ष लाखों युवक श्रमबाजार में प्रवेश करते हैं, परंतु उनके लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर नहीं बन पाते। पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वेक्षण (च्स्थ्ै) 2023–24 के अनुसार 15 वर्ष से ऊपर की आबादी में बेरोजगारी दर 3.2 : रही, जबकि युवाओं (15दृ29 वर्ष) में यह बढ़कर 10.2 : तक जा पहुँची। कार्यशील आयु वर्ग में लगभग 64.33 करोड़ लोग हैं, परंतु संगठित क्षेत्र में उनका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा। उदाहरण के तौर पर किसी ग्रामीण क्षेत्र के दस हजार युवा जब शहरों की ओर रोजगार की तलाश में जाते हैं, तो उनमें से मुश्किल से दो हजार को ही अस्थायी या कम वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। शेष बेरोजगार या असंगठित क्षेत्र में अल्प आय पर कार्यरत रह जाते हैं। परिणामस्वरूप गरीबी, कुपोषण और सामाजिक तनाव की स्थिति बढ़ती है, जो राष्ट्र की विकास गति को धीमा करती है। भारत की विशाल जनसंख्या के कारण जल, भूमि, ऊर्जा और खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर असंतुलित दबाव बढ़ता जा रहा है। बढ़ती आबादी के साथ इनका अति–दोहन जल संकट, भूमि क्षरण और ऊर्जा की कमी जैसी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न कर रहा है। महानगरों में रोजगार की तलाश में पलायन से झुग्गी–झोपड़ियाँ फैल रही हैं, यातायात और प्रदूषण का संकट बढ़ रहा है तथा जीवन स्तर गिरता जा रहा है। बढ़ती जनसंख्या का सबसे बड़ा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है कृ प्रदूषण, वनों की कटाई, कचरे का बढ़ता ढेर और ग्रीनहाउस गैसों का अत्यधिक उत्सर्जन अब चिंता का वैश्विक विषय बन चुका है। जब समाज का बड़ा हिस्सा भोजन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रहता है, तो स्वाभाविक रूप से असंतोष, असुरक्षा और अपराध में वृद्धि होती है, जिससे सामाजिक समरसता कमजोर पड़ती है। चीन ने इस समस्या के समाधान के लिए "वन चाइल्ड पॉलिसी" जैसी कठोर नीति अपनाई थी, जबकि भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप परिवार नियोजन, जागरूकता और स्वैच्छिक नियंत्रण की नीति को अपनाया। किंतु ग्रामीण और अशिक्षित क्षेत्रों में अब भी पर्याप्त जागरूकता का अभाव है। जनसंख्या नियंत्रण मे शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा, सबसे प्रभावी माध्यम सिद्ध हो सकती है। एक शिक्षित महिला न केवल स्वयं जागरूक होती है बल्कि पूरे परिवार को सही दिशा देती है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे कौशल विकास अभियान, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसी योजनाएँ युवाओं को आत्मनिर्भर और उत्पादक बनाने की दिशा मे महत्वपूर्ण कदम हैं। यदि इन योजनाओं का लाभ गाँव–गाँव तक पहुँचे तो रोजगार सृजन की प्रक्रिया तीव्र हो सकती है। भारत में विकास को संतुलित बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और आधारभूत संरचना को मजबूत करना आवश्यक है, जिससे पलायन पर नियंत्रण हो सके और शहरी क्षेत्रों पर बढ़ता बोझ घटे। स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच और गुणवत्ता में सुधार कर मातृ–शिशु मृत्यु दर घटानी होगी। वर्ष 2024 मे भारत की मातृ मृत्यु दर अब भी 97 प्रति एक लाख जीवित जन्म है और शिशु मृत्यु दर 27 प्रति हजार के आसपास है। इन आंकड़ों मे सुधार किए बिना "स्वस्थ भारत" का सपना अधूरा रहेगा। जनसंख्या की समस्या केवल संख्याओं की नहीं बल्कि गुणवत्ता की समस्या है। एक शिक्षित, स्वस्थ और रोजगारयुक्त जनसंख्या ही राष्ट्र के विकास की गति को तीव्र कर सकती है। इसलिए आवश्यक है कि जनसंख्या को केवल बोझ न समझा जाए, बल्कि अवसर के रूप मे देखा जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जनसंख्या नियंत्रण की एकीकृत नीति ही इस अवसर को शक्ति मे बदल सकती है।

करीना कपूर ने मेघना गुलजार की 'दायरा' की शूटिंग की शुरू

अद्भुत मेघना गुलजार और वास्तविक पृथ्वी के साथ `दायरा'.. प्यार और शुभकामनाएं।'' ''राजी'',''तलवार'', ''छपाक'' और ''सैम बहादुर'' जैसी हिट फिल्में देने वाली मेघना ने भी अपने इंस्टाग्राम पेज पर यह खबर साझा की और लिखा एक धुंधला और कटी-फटी रेखाओं का सफर... हमने आगाज कर दिया है।'' दायरा एक अपराध और रोमांचक पृष्ठभूमि पर लिखी गयी फिल्म है जिसमें अपराध, दण्ड एवं न्याय से जुड़े सदियों पुराने विरोधाभास को उजागर किया गया है। इसमें वर्तमान समय की सच्चाइयों को समेटते हुए लोगों के मर्म को छूने का प्रयास किया गया है। इससे पहले करीना को तब्बू और कृति सैनन के साथ 2024 में आई फिल्म क्रू तथा रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में अजय देवगन के साथ देखा गया था।सुकुमारन 2025 में फिल्म एल 2रू एमपूरान और सरजमीं में काजोल और इब्राहिम अली खान के साथ नजर आए थे।

करीना कपूर खान को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आए 25 साल हो गए हैं। उन्होंने अपने करियर में तमाम सुपरहिट फिल्में दी है। एक्ट्रेस का नाम सुपरहिट सितारों में गिना जाता है। हाल ही में करीना कपूर फिल्म क्रू में नजर आयी थी। अब उन्होंने अपनी नयी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। करीना कपूर खान को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आए 25 साल हो गए हैं। उन्होंने अपने करियर में तमाम सुपरहिट फिल्में दी है। एक्ट्रेस का नाम सुपरहिट सितारों में गिना जाता है। हाल ही में करीना कपूर फिल्म क्रू में नजर आयी थी। अब उन्होंने अपनी नयी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर ने निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म दायरा की शूटिंग शुरू कर दी। फिल्म में करीना पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ नजर आएंगी। यह उनके करियर की 68वीं फिल्म है।

करीना कपूर ने मेघना गुलजार की फिल्म दायरा की शूटिंग शुरू की इंस्टाग्राम पर करीना ने सेट की कई सारी वीडियो साझा करते हुए लिखा पहला दिन, 68वीं फिल्म। अद्भुत मेघना गुलजार और वास्तविक पृथ्वी के साथ 'दायरा'.. प्यार और शुभकामनाएं।'' ''राजी'',''तलवार'', ''छपाक'' और ''सैम बहादुर'' जैसी हिट फिल्में देने वाली मेघना ने भी अपने इंस्टाग्राम पेज पर यह खबर साझा की और लिखा एक धुंधला और कटी-फटी रेखाओं का सफर... हमने आगाज कर दिया है।'' दायरा एक अपराध और रोमांचक पृष्ठभूमि पर लिखी गयी फिल्म है जिसमें अपराध, दण्ड एवं न्याय से जुड़े सदियों पुराने विरोधाभास को उजागर किया गया है। इसमें वर्तमान समय की सच्चाइयों को समेटते हुए लोगों के मर्म को छूने का प्रयास किया गया है। इससे पहले करीना को तब्बू और कृति सैनन के साथ 2024 में आई फिल्म क्रू तथा रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में अजय देवगन के साथ देखा गया था।सुकुमारन 2025 में फिल्म एल 2रू एमपूरान और सरजमीं में काजोल और इब्राहिम अली खान के साथ नजर आए थे। पृथ्वीराज सुकुमारन पर हालिया छापेमारी का मामला पृथ्वीराज सुकुमारन और दुलकर सलमान के घरों पर हाल ही में सितंबर 2025 में सीमा शुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग ने छापेमारी की थी। लक्जरी कारों पर कर चोरी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई के तहत, राजस्व खुफिया निदेशालय और सीमा शुल्क के अधिकारियों ने श्नुमखोरश कोडनाम से एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया। यह छापेमारी लग्जरी कारों के स्वामित्व को लक्षित कर रही थी, और संभावित कर चोरी के लिए दस्तावेजों की जाँच की जा रही थी। दोनों अभिनेता ऐसी गाड़ियों के स्वामित्व के कारण इस मामले में उलझे हुए हैं। अधिकारियों ने कहा कि उनके वाहनों के दस्तावेजों की जाँच की जाएगी और किसी भी अवैध गतिविधि के बारे में उनकी जानकारी का पता लगाने के लिए उनके बयान दर्ज किए जाएँगे। करीना कपूर खान ने पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ मेघना गुलजार की फिल्म श्दायराश के पहले दिन की एक झलक दिखाई। अपने 25 साल के करियर में, श्दायराश करीना कपूर खान की 68वीं फिल्म है। फिल्म श्दायराश के बारे में फिल्म श्दायराश का निर्देशन मेघना गुलजार कर रही हैं। इस फिल्म में करीना के अलावा साउथ अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगे। श्दायराश एक क्राइम–ड्रामा थ्रिलर फिल्म है, जो आज के समाज की जटिलताओं को दिखाती है। यह अपराध, सजा और न्याय के बीच के संघर्ष को उजागर करती है। फिल्म को लेकर करीना की राय इस साल की शुरुआत में करीना ने फिल्म को लेकर इंस्टाग्राम पर लिखा था कि वह मेघना गुलजार के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं, जिनकी फिल्में जैसे श्तलवारश और श्राजीश उनकी पसंदीदा हैं। उन्होंने पृथ्वीराज के साथ काम करने को भी एक बड़ी उपलब्धि बताया। करीना ने 2000 में जेपी दत्ता की फिल्म श्रिफ्यूजीश से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जिसमें अभिषेक बच्चन भी थे। अब करीना अपनी 68वीं फिल्म श्दायराश में नजर आएंगी। ''राजी'',''तलवार'', ''छपाक'' और ''सैम बहादुर'' जैसी हिट फिल्में देने वाली मेघना ने भी अपने इंस्टाग्राम पेज पर यह खबर साझा की और लिखा ' एक धुंधला और कटी–फटी रेखाओं का सफरश हमने आगाज कर दिया है।'' दायरा एक अपराध और रोमांचक पृष्ठभूमि पर लिखी गयी फिल्म है जिसमें अपराध, दण्ड एवं न्याय से जुड़े सदियों पुराने विरोधाभास को उजागर किया गया है। इसमें वर्तमान समय की सच्चाइयों को समेटते हुए लोगों के मर्म को छूने का प्रयास किया गया है। इससे पहले करीना को तब्बू और कृति सैनन के साथ 2024 में आई फिल्म 'क्रू' तथा रोहित शेट्टी की फिल्म ' सिंघम अगेन' में अजय देवगन के साथ देखा गया था। सुकुमारन 2025 में फिल्म ' एल 2रू एमपूरान' और 'सरजमीं' में काजोल और इब्राहिम अली खान के साथ नजर आए थे।

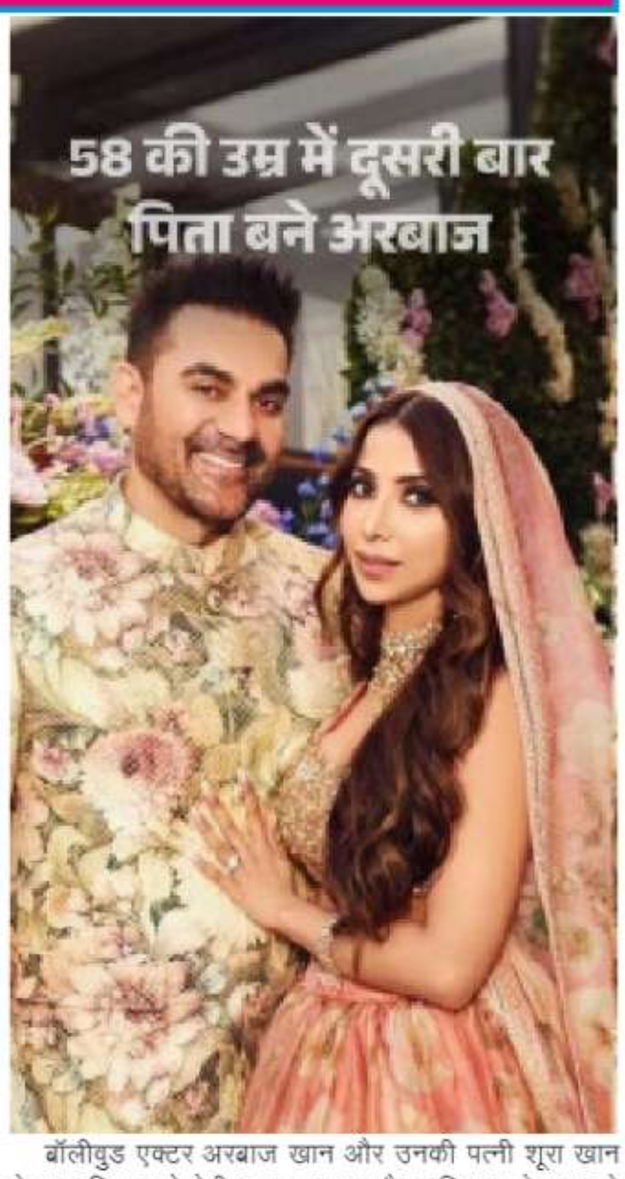

58 की उम्र में दूसरी बार पिता बने अरबाज

बॉलीवुड एक्टर अरबाज खान और उनकी पत्नी शूरा खान के घर रविवार को बेटी का जन्म हुआ है। शनिवार को शूरा को डिलीवरी के लिए मुंबई के पी.डी. हिंदुजा अस्पताल में एडमिट किया गया था।

अरबाज इस दौरान शूरा के साथ मौजूद रहे थे। डिलीवरी के चलते शूरा की मां समेत परिवार के कुछ सदस्य भी अस्पताल में पहुंचे। शूरा ने जून में अपनी प्रेग्नेंसी की पुष्टि की थी।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि सलमान खान भी इस खुशी के मौके पर अपने परिवार के साथ मनाने के लिए पनवेल फार्महाउस से मुंबई के लिए निकले थे।

इसके पहले 29 सितंबर को अरबाज और शूरा ने बेबी शावर का ग्रैंड सेलिब्रेशन होस्ट किया गया था। इसमें करीबी परिवार और दोस्त शामिल हुए थे। सलमान खान भी इस खुशी के मौके पर पहुंचे थे।

सलमान की मां सलमा खान, उनके भाई सोहेल और यूलिया वंतूर भी इस इवेंट में नजर आए। वहीं एक्ट्रेस गौहर खान और निया शर्मा भी इस सेलिब्रेशन में शामिल हुईं।

अरबाज दूसरी बार पिता बने

58 साल की उम्र में अरबाज दूसरी बार पिता बने हैं। शूरा से पहले अरबाज की पहली शादी मलाइका अरोड़ा से हुई थी। उनके बेटे अरहान का जन्म 2002 में हुआ था। हालांकि, 2017 में दोनों ने आपसी सहमति से तलाक लिया।

बता दें कि कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद, अरबाज और शूरा की शादी 24 दिसंबर 2023 को एक प्राइवेट सेरेमनी में हुई थी। शादी अरबाज की बहन, अर्पिता खान शर्मा के घर हुई थी।

अरबाज और शूरा की पहली मुलाकात रवीना टंडन की फिल्म श्पटना शुक्लाश के सेट पर हुई थी। अरबाज उस फिल्म के प्रोड्यूसर थे, जबकि शूरा लीड एक्ट्रेस की मेकअप आर्टिस्ट थीं। काम के दौरान उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई।

भाईजान इब्राहिम संग पहली बार रैंप पर उतरीं सारा अली खान

बॉलीवुड के स्टार भाई–बहन सारा अली खान और इब्राहिम अली खान की बॉन्डिंग किसी से छिपी नहीं है। दोनों अक्सर साथ में वक्त बिताते हैं और अपनी प्यारी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। हाल ही में दोनों ने पहली बार साथ में रैंप वॉक कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। सारा और इब्राहिम ने मशहूर डिजाइनर अभिनव मिश्रा के नए कलेक्शन के लिए रैंप वॉक किया। डिजाइनर ने इस मौके पर अपनी नई शाही ड्रेस लाइन लॉन्च की, जिसमें भाई–बहन की जोड़ी ने ग्लैमर और मस्ती दोनों का तड़का लगाया। रैंप शो के दौरान इब्राहिम अली खान ने कतान सिल्क से बनी एक शानदार शेरवानी पहने नजर आए। इस पोशाक पर शीशे का बारीक काम और सुनहरी जरी–रेशम की खूबसूरत कढ़ाई की गई थी। उनकी ड्रेस में एक शाही अंदाज झलक रहा था, जिससे वह किसी राजकुमार से कम नहीं लग रहे थे। वहीं सारा अली खान ने रैंप पर एक रॉयल एथनिक ड्रेस पहनी, जिस पर हाथ से की गई जरी और रेशम की कढ़ाई ने इसे बेहद खास बना दिया। ड्रेस में लगे झिलमिलाते क्रिस्टल और शीशे के वर्क ने उनके लुक को और भी निखार दिया। उनकी मुस्कान और आत्मविश्वास ने शो में चार चांद लगा दिए। दिल्ली के छतरपुर स्थित संस्कृति ग्रीन्स में शनिवार, 4 अक्टूबर को हुए इस फैशन शो में पहली बार सारा और इब्राहिम ने साथ में रैंप वॉक किया, जहां दोनों की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया। वहां मौजूद लोगों ने भाई–बहन की जोड़ी की तारीफ करते हुए जमकर तालियां बजाईं। सारा अली खान को हाल ही में फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ आदित्य रॉय कपूर, फातिमा सना शेख, अली फजल और अनुपम खेर जैसे सितारे नजर आए थे। अब सारा जल्द ही अपनी अगली फिल्म 'पति, पत्नी और वो दो' में दिखाई देंगी। वहीं इब्राहिम अली खान ने हाल ही में अपनी डेब्यू फिल्म 'सरजमीं' से बॉलीवुड में कदम रखा है। इस फिल्म में उनके साथ काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आए थे। अब इसके बाद इब्राहिम अपनी अगली फिल्म 'दिलेर' की तैयारी में जुटे हुए हैं।

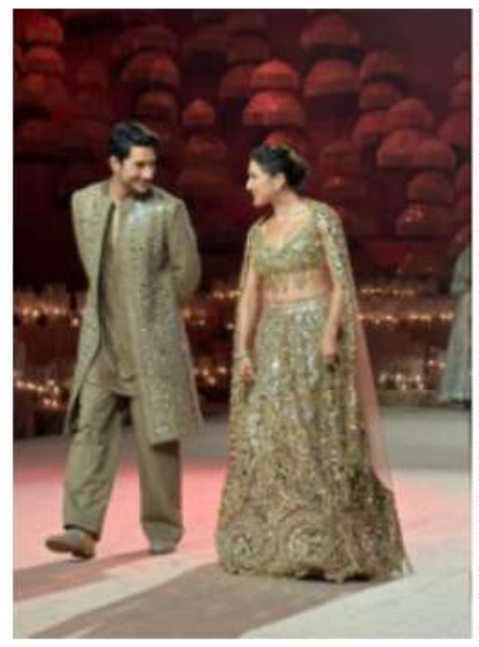

एक्टर सैफ अली खान फिल्मी बैकग्राउंड से होने के बाद भी करियर के शुरुआत में अच्छा नहीं कर पाए थे। शुरुआत में उन्हें अपनी एक्टिंग, लुक सबकी वजह से आलोचना झेलनी पड़ी थी। सैफ अपने करियर के दूसरी पारी में बतौर एक्टर निखरकर के सामने आए और आज उनकी गिनती बेहतरीन एक्टर्स में होती है। अपने एक हालिया इंटरव्यू में सैफ ने बताया है कि कैसे करियर के शुरुआत में उन्होंने पैसों की तंगी देखी थी। एस्क्वायर इंडिया के साथ बातचीत में एक्टर ने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए बताया कि महज 21 साल की उम्र में अमृता सिंह से शादी और 25 साल की उम्र में पिता बनने की वजह से उनकी जिम्मेदारियां बढ़ गई थी। उस वक्त एक प्रोड्यूसर ने उन्हें हर हफ्ते एक हजार देने के बदले अजीब सी डिमांड रखी थी। सैफ ने कहा– श्मुझे हर हफ्ते एक हजार रुपए मिलते थे। एक प्रोड्यूसर ने मेरे सामने ये डिमांड रखी थी कि मुझे उनके गाल पर दिन में 10 बार किस करना है। मैं जितनी बार ये करता था, मुझे पैसा मिलता था।

दूसरी बार जुड़वा बच्चों की बनेंगी मां

यूट्यूबर अरमान मलिक हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं. उन्होंने दो शादियां की हैं जिसकी वजह से लोग उन्हें हमेशा ट्रोल भी करते रहते हैं. अरमान मलिक एक बार फिर पिता बनने वाले हैं. हाल ही में उनकी पहली पत्नी पायल मलिक ने अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की है. पायल की प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट के बाद से हर कोई चौंक गया था क्योंकि वो पहले से ही तीन बच्चों की मां हैं. अब एक बार फिर पायल जुडवां बच्चों की मां बनने वाली हैं. अरमान मलिक और पायल का सबसे पहले एक बेटा चिरायु है. उसके बाद उन्होंने जुड़वा बच्चों जैद और तूबा को जन्म दिया था. अब तीसरी बार पायल प्रेग्नेंट हैं और इस बार भी वो जुड़वा बच्चों को जन्म देंगी. जुड़वा बच्चों की बनेंगी मां रिपोर्ट्स की माने तो पायल दूसरी बार जुड़वा बच्चों को जन्म देने वाली हैं. सोशल मीडिया पर पायल की फैमिली के साथ फोटो वायरल हो रही है जिसमें वो डॉक्टर के पास बैठी नजर आ रही हैं. उनके साथ अरमान मलिक और कृतिका भी दोनों बच्चों को गोद में लिए खड़े हैं. इस फोटो के कैप्शन में लिखा है– पायल की जुड़वां बच्चों को लेकर प्रेग्नेंसी फाइनल हो गई है. हालांकि अभी तक अरमान, पायल या कृतिका में से किसी ने ट्विन प्रेग्नेंसी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है. सोशल मीडिया पर रिपोर्ट आने के बाद से पायल के फैंस बहुत खुश हो गए हैं वो पायल के एक बार फिर जुड़वां बच्चों को जन्म देने को लेकर काफी खुश हैं. बता दें अरमान मलिक प्रेग्नेंसी में अपनी पत्नी पायल का खूब ध्यान रख रहे हैं।

दाल–चावल का गलत तरीके से सेवन, जैसे अधिक चावल और कम दाल, मोटापे और बढ़े हुए शुगर लेवल का कारण बन सकता है। स्वस्थ रहने के लिए अपनी थाली में प्रोटीन और कार्ब्स का सही संतुलन बनाना जरूरी है, जिसमें दाल की मात्रा चावल से अधिक हो, साथ ही मौसमी सब्जी और देसी घी भी शामिल करें।

दाल–चावल खाना हर भारतीय की पहली पसंद होती है। दाल–चावल को इनकार कोई कर ही नहीं सकता है। चाहे लांच हो या फिर डिनर में फटाफट बनने वाले दाल–चावल सभी के पसंदीदा होते हैं। दाल में प्रोटीन पाया जाता है और चावल में कार्बोहाइड्रेट होता है। इसके साथ ही इसमें कई और भी पोषक तत्व पाएं जाते हैं। हालांकि, इसके अधिक सेवन से मोटाप बढ़ने लगता है और शुगर लेवल भी बढ़ने लगता है। इसको अगर सही ढंग से खाया जाए तो यह नुकसान नहीं पहुंचाता है। आइए डॉक्टर से जानते हैं इसका सेवन कितना और कैसे करना चाहिए, जिससे कोई समस्या भी नहीं हो।

दाल–चावल खाते समय न करें ये गलतियां

डॉक्टर के मुताबिक, लोग दाल–चावल खाते समय गलतियां करते हैं। अधिकत्तर लोग दाल और चावल कार्ब और प्रोटीन का बैलेंस सही से नहीं कर पाते हैं। क्योकि लोग चावल की मात्रा ज्यादा रखते हैं और दाल की मात्रा कम, जिस वजह से शरीर को प्रोटीन का सोर्स कम मिलता है। डॉक्टर मल्हार ने आगे बताया है कि जापानी और कोरियाई लोग इतने फिट इसलिए भी होते हैं वे लोग प्लेट में नहीं कटोरी में दाल, मीट का सेवन करते हैं। डॉक्टर ने कहा कि अधिकत्तर भारतीय लोग बड़ी प्लेट में चावल लेते हैं और छोटी कटोरी में दाल या फिर अन्य प्रोटीन का सोर्स लेते हैं। यह बिल्कुल गलत तरीका है। बता दें कि, शरीर को कार्ब्स की ज्यादा जरुरत नहीं होती है। जो हम खाते हैं वह शरीर में फैट की तरह स्टोर हो जाता है। इससे ब्लड स्पाइक होता है।

सही तरीका खाने का क्या है

इसे खाने का सही तरीका है कि एक कटोरी में चावल लें, फिर मीट, दाल, पनीर या फिर प्रोटीन का दूसरा सोर्स भी लें सकते हैं। अपनी थाली में प्रोटीन और कार्ब्स की मात्रा एकदम बैलेंस में रखें।

दाल चावल को कैसे बनाए हेल्दी मील

दाल–चावल को बैलेंस बनाने के लिए दाल–चावल के साथ सीजनल सब्जी जरुर एड करें। इसके साथ ही आप सलाद भी ले सकते हैं। दाल–चावल में एक चम्मच देसी घी डालकर खा सकते हैं। ऐसा करने से आपके शरीर को हेल्दी फैट मिलेगा।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

कुट्टू का आटा असली है या नकली?

आजकल बाजार में मिलावटी कुट्टू के आटा मिल रहा है, जिसके खाने से आपकी सेहत भी बिगड़ सकती है। मिलावटी कुट्टू के आटे से परेशान हैं, तो आप घर पर ही इसकी शुद्धता जांचने और व्रत के दौरान सुरक्षित रहने के 5 आसान तरीके हम आपको बताने जा रहे है।

नवरात्रि के पर्व के दौरान बाजार में व्रत में खाएं जाने वाले चीजों में मिलावट देखने को मिलती है। नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि के व्रत रखने वाले कई लोग कुट्टू के आटे से बनी पूड़ियां और हलवा जैसे पारंपरिक पसंदीदा डिश फलाहार के तौर पर खाते हैं, यह काफी न्यूट्रिशन से भरपूर होता है। कुट्टू का आटा आयरन, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर से भरपूर होता है। यह न केवल व्रत के दौरान कमजोरी से बचाता है, बल्कि नियमित रूप से सेवन करने पर कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। हालांकि, त्योहारों के मौसम में बढ़ती मांग के कारण, बाजार में मिलावटी कुट्टू का आटा भी आने लगा है। इसलिए बाजार से कुट्टू का आटा खरीदते समय इन बातों का ध्यान रखें।

कुट्टू का आटे का रंग देखें

शुद्ध कुट्टू का आटा आमतौर पर हल्के भूरे या स्लेटी रंग का दिखाई देता है। अगर आटा असामान्य रूप से सफेद या चमकीला दिखाई दे, तो हो सकता है कि उसमें स्टार्च या रिफाइंड गेहूं का आटा मिला हो। खरीदते समय हमेशा रंग की अच्छी तरह जांच करें।

सूंघ कर इसकी खुशबू चौक करें

ताजा कुट्टू के आटे में हल्की, मेवे जैसी खुशबू होती है। अगर आटे में रासायनिक गंध आ रही हो या वह बासी लग रहा हो, तो हो सकता है कि वह बासी या मिलावटी हो। अगर खुशबू अजीब लगे तो उसे खरीदने से बचें।

टेस्ट और आटे की बनावट को देखें

शुद्ध कुट्टू के आटे का स्वाद थोड़ा अखरोट जैसा और मिट्टी जैसा होता है। अगर इसका स्वाद ज्यादा मीठा या फीका लगे, तो यह मिलावट का संकेत हो सकता है। इसके अलावा, आटा गूंथते समय, शुद्ध आटे की बनावट थोड़ी खुरदरी होती है। अगर आटा ज्यादा नरम निकले, तो संभावना है कि उसमें स्टार्च या मैदा मिलाया गया हो।

घर पर पानी से करें टेस्ट

एक कप पानी में एक चम्मच आटा डालें और मिलाएं। शुद्ध कुट्टू का आटा पानी में तैरेगा और धीरे–धीरे फैलेगा। अगर यह जल्दी घुल जाए या अवशेष छोड़ दे, तो यह मिलावटी होने की संभावना है।

लोकप्रिय ब्रांडों से खरीदें

इस बात का ध्यान रखें कि, कुट्टू का आटा हमेशा विश्वसनीय ब्रांड या प्रतिष्ठित दुकानों से ही खरीदें। इसे ठंडी, सूखी जगह पर एक एयरटाइट कंटेनर में रखें। आटे को निकालने के लिए कभी भी गीले हाथों या गीले चम्मच का इस्तेमाल न करें, क्योंकि नमी इसे खराब कर सकती है।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

एक स्टडी के अनुसार, महिलाओं में प्रजनन की टाइमिंग उनकी पूरी जिंदगी स्वास्थ्य पर असर डाल सकती है। रिसर्चर्स के अनुसार, अगर किसी लड़की को कम उम्र में पीरियड्स आते हैं या फिर कोई महिला कम उम्र में मां बनती है, तो उनको भविष्य में कई गंभीर बीमारियों के होने का जोखिम होता है।

क्या आप जानते हैं कि शरीर में आने वाले कुछ शुरूआती बदलाव महिलाओं या लड़कियों की सेहत पर गहरा असर डाल सकते हैं। जैसे कम उम्र में पीरियड्स आना या फिर कम उम्र में मां बनने का असर आगे चलकर सेहत पर दिख सकता है। एक स्टडी के अनुसार, महिलाओं में प्रजनन की टाइमिंग उनकी पूरी जिंदगी स्वास्थ्य पर असर डाल सकती है। रिसर्चर्स के अनुसार, अगर किसी लड़की को कम उम्र में पीरियड्स आते हैं या फिर कोई महिला कम उम्र में मां बनती है, तो उनको भविष्य में कई गंभीर बीमारियों के होने का जोखिम होता है।

जानिए कम उम्र में पीरियड्स आने और प्रेग्नेंट होने के खतरे

एक स्टडी के मुताबिक अगर किसी लड़की को 11 साल से पहले पीरियड्स आ जाते हैं या फिर कोई महिला 21 साल से पहले मां बन जाती है। तो भविष्य में उनके हार्ट फेलियर, डायबिटीज और मोटापे का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। स्टडी के मुताबिक ऐसी महिलाओं में मोटापे का खतरा करीब 4 गुना बढ़ जाता है। इसके साथ ही हार्ट फेलियर और डायबिटीज आदि का खतरा भी दोगुना बढ़ जाता है। शरीर के जल्दी मैच्योर होने पर उसका असर बुढ़ापे तक दिखाई दे सकता है।

वेट का बड़ा रोल

बॉडीमास इंडेक्स इस पूरे मामले में अहम रोल निभाता है। जल्दी पीरियड्स या फिर जल्दी मां बनने वाली महिलाओं में अक्सर वजन बढ़ जाता है। यही बढ़ा हुआ ठडप्आगे जाकर हार्ट डिजीज और डायबिटीज जैसी समस्याओं की वजह बन सकता है।

ऐसा क्यों होता है

बता दें कि वैज्ञानिक इसको श्मअवसनजपवदंतल जतंकम–वर्षि कहते हैं। यानी की यदि शरीर जल्दी रिप्रोडक्शन के लिए तैयार हो जाता है, तो शॉर्ट टर्म में फायदा मिलता है। लेकिन लॉन्ग टर्म में इसकी कीमत बीमारियों और उम्र बढ़ने के रूप में चुकानी पड़ सकती है।

जानिए डॉक्टर की राय

डॉक्टर ने बताया कि यह भले ही एक स्टडी है, लेकिन इसके नतीजों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। वहीं किसी महिला के प्रजनन से जुड़े अनुभव आगे की सेहत पर कैसा असर डालते हैं। जल्दी पीरियड्स आना या फिर कम उम्र में मां बनना हो, तो आगे चलकर डायबिटीज, मोटापा और हार्ट डिजीज जैसी समस्याओं का खतरा हो सकता है। बता दें कि इसकी शुरूआती वजह कम उम्र में होने वाले हार्मोन और मेटाबॉलिज्म के बदलाव माने जाते हैं। जोकि जिंदगी भर आपकी सेहत पर असर डालते हैं। ऐसे में जिन महिलाओं में ऐसे फैक्टर्स दिखते हैं, उनको नियमित रूप से हेल्थ चेकअप और लाइफस्टाइल में सही बदलाव करना चाहिए।

क्या करें महिलाएं

अगर आपके साथ या फिर परिवार की किसी महिला के साथ जल्दी पीरियड्स या फिर जल्दी प्रेग्नेंट होने का अनुभव हो रहा है, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपको बस अपनी हेल्थ पर ध्यान देने की जरूरत है।

नियमित चेकअप जरूर कराएं और खासकर शुगर और हार्टहेल्थ से जुड़े टेस्ट जरूर कराएं।

हेल्दी लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए और खुद को एक्टिव रखें।

वहीं अच्छी नींद और बैलेंस्ड डाइट लेना जरूरी है।

सही डाइट और एक्सरसाइज फॉलो कर अपना वेट कंट्रोल में रखें।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए है। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

आजकल सबसे ज्यादा लोग पेट की चर्बी से परेशान है। पेट के आस–पास चर्बी जमा होना इस बात को बिल्कुल हल्के में न लें। बिना देर किए बैली फेट को कम करना काफी जरुरी है। इन आसान तरीकों से आप महीने भर में बेली फैट को कम कर सकती है।

खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण बेली फैट की समस्या लोगों में देखने को मिलती है। पेट के आसपास चर्बी जम जाने से शरीर की सुंदरता तो खराब होती है इसके साथ ही कई बीमारियां भी घेर लेती है। बेली फैट बढ़ने से डायबिटीज, हार्ट डिजीज, हाई ब्लड प्रेशर जैसी कई गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। जितना जल्दी आप अपने शरीर की चर्बी को कम करेंगे उतना ही आपके लिए बढिया है। तो इस लेख में हम आपको आसान टिप्स बताने जा रहे हैं, जिससे आप बेली फैट को आसानी से कम कर सकते हैं।

क्या खाएं और क्या नहीं

– प्रोटीन बढ़ाएंरू यदि आप अपनी डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाएंगे तो यह पचने में काफी समय लेगा। इसलिए आपको बार–बार भूख नहीं लगेगी और मेटाबॉलिज्म तेज होता है। आप अपने आहार में दालें, अंडे, चिकन, फिश, पनीर, दही और सोयाबीन जैसी चीजें जरुर शामिल करें।

– फाइबर है जरुरीरू फाइबर से भरपूर चीजें आप अपनी डाइट में एड कर सकते हैं। जैसे कि– हरे पत्तेदार सब्जियां, ताजे फल और साबुत अनाज खाएं। यह पाचन को दुरुस्त करता है और पेट में चर्बी जमने नहीं देता।

–शुगर और रिफाइंड कार्ब्स से बचेंरू बेली फैट बढ़ाने का कार्य करता है शुगर और मैदा। इसके अलावा, कोल्ड ड्रिंक्स, पैक्ड जूस, मिठाई, केक, पास्ता, सफेद ब्रेड और समोसे–कचौड़ी जैसी चीजों से बिल्कुल न खाएं।

– खूब पानी पिएंरू पूरा दिन कम से कम 3–4 लीटर पानी पीना बेहद जरुरी है। पानी पीने से शरीर के टॉक्सिन्स पदार्थ बाहर निकालते हैं।

एक्सरसाइज करना जरुरी

जरुरी नहीं कि केवल डाइटिंग से पेट कम नहीं होगा। शरीर में कुल फैट में कम करने के लिए एक्सरसाइज बेहद जरुरी है। आप कार्डियो कर सकते है। रोजाना कम से कम 30–45 मिनट की कार्डियो एक्सरसाइज करें। आप चाहे तो स्क वॉक, दौड़ना, साइकिल चलाना,स्वीमिंग, रस्सी कूदना आदि कर सकते है। इसके अलावा, आप पुश–अप्स, स्क्वैट्स, लंजेस, प्लैंक और डंबल के साथ एक्सरसाइज भी जरुर कर सकते हैं। यह आपके पेट की मांसपेशियों के लिए क्रंचेज और लेग रेजेज भी फायदेमंद है।

तनाव न लें और नींद पूरी लें

बेली फैट को कम करने के लिए इन दोनों पहलू को नजरअंदाज न करें। तनाव और नींद की कमी सीधे तौर पर बेली फैट बढ़ाने के लिए जिम्मेदार होती है। तनाव शरीर में कोर्टिसोल रिलीज करता है, जो कि हार्मोन शरीर को पेट का आसपास जमा हो जाता है। इसलिए तनाव को कम करने के लिए योग, मेडिटेशन या प्राणायम कर सकते हैं। इसके अलावा, रोजाना 7–8 घंटे की नींद लेना आवश्यक है और यह भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं, जिस वजह से आप जंक फूड का सेवन अधिक कर देते हैं।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

संक्षिप्त

इमैनुएल मैक्रों को बड़ा झटका, एक महीने में ही फ्रांस के प्रधानमंत्री ने दिया इस्तीफा

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने नई कैबिनेट की नियुक्ति के कुछ ही घंटों बाद इस्तीफा दे दिया है। पूर्व रक्षा मंत्री लेकोर्नू को पिछले महीने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने नियुक्त किया था। इस अप्रत्याशित इस्तीफे ने एक बार फिर फ्रांस में गहराते राजनीतिक संकट को उजागर कर दिया है। एलिसी

के प्रेस कार्यालय ने कहा सेबेस्टियन लेकोर्नु ने अपनी सरकार का इस्तीफा गणराज्य के राष्ट्रपति को सौंप दिया है, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। मैक्रों के करीबी सहयोगी लेकोर्नु ने रविवार को राजनीतिक दलों के साथ हफ़्तों के विचार–विमर्श के बाद अपने मंत्रिमंडल का गठन किया और मंत्रिमंडल की पहली बैठक सोमवार को होनी थी। लेकिन मैक्रों की लगभग अपरिवर्तित मंत्रिमंडल घोषणा पर विपक्षी दलों और यहाँ तक कि उनके अपने समर्थकों की भी तीखी प्रतिक्रिया हुई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांसीसी सोशलिस्ट पार्टी के नेता ओलिवियर फॉरे, जिनकी पार्टी संसद में संभावित रूप से निर्णायक वोट हासिल करने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि मैक्रों का समूह बिखर रहा है और नई सरकार की कोई वैधता नहीं बची है। लेकोर्नु के इस्तीफे से पहले उन्होंने कहा कि हम एक अभूतपूर्व राजनीतिक संकट का सामना कर रहे हैं। फ्रांस राजनीतिक और आर्थिक संकट से जूझ रहा है, क्योंकि लेकोर्नू के दो पूर्ववर्ती, फ्रेंकोइस बायरू और मिशेल बार्नियर को व्यय योजना पर गतिरोध के कारण विधानमंडल द्वारा पद से हटा दिया गया था। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि फ्रांस का सार्वजनिक ऋण रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है और फ्रांस का ऋण–जीडीपी अनुपात अब ग्रीस और इटली के बाद यूरोपीय संघ में तीसरा सबसे अधिक है।

टेक्सास में मां ने अपने ही चार बच्चों पर गोलियां चलाईं, दो की मौत

अमेरिका के टेक्सास राज्य में एक महिला ने कथित तौर पर अपने चार बच्चों पर गोलियां चलाईं, जिससे उनमें से दो की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि उस पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। ब्रेजोरिया काउंटी के शेरिफ बो स्टालमैन ने पत्रकारों को बताया कि उस 31 वर्षीय महिला पर हत्या और घातक हथियार से गंभीर हमले के दो–दो मामले दर्ज किए गए हैं और उसे 1.4 डॉलर के बॉन्ड पर हिरासत में लिया गया है। स्टालमैन ने कहा कि चार बच्चों में से दो की उम्र 13 और 4 साल थी, जो शनिवार को एक वाहन के अंदर गोली लगने से मारे गए। अन्य बच्चों की उम्र 8 और 9 साल है, जिन्हें एक मेडिकल हेलीकॉप्टर द्वारा ह्यूस्टन क्षेत्र के एक अस्पताल में ले जाया गया है और उनकी हालत स्थिर है। स्टालमैन ने बताया कि गोली चलाने के बाद महिला ने अधिकारियों को सूचित करने के लिए कॉल किया था। अधिकारियों ने घटनास्थल से एक हथियार बरामद किया है। स्टालमैन ने कहा, इस तरह की संवेदनहीन त्रासदी को समझना असंभव है लेकिन हम इन बच्चों को न्याय दिलाने के लिए वह सब करेंगे जो हम कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला ह्यूस्टन के उत्तर में स्थित मोंटगोमरी काउंटी की निवासी है। यह घटना एंगलटन में हुई, जो लगभग 19,500 की आबादी वाला एक शहर है। यह ह्यूस्टन से लगभग 45 मील (70 किलोमीटर) दक्षिण में स्थित है।

बर्फीले तूफान के बाद माउंट एवरेस्ट के तिब्बती हिस्से में फंसे करीब 1,000 पर्वतारोही, बचाव कार्य जारी

बर्फीले तूफान के कारण माउंट एवरेस्ट के तिब्बती हिस्से में फंसे लगभग एक हजार लोगों को बचाने के लिए रविवार को अभियान जारी रहा। करीब 4,900 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित इस क्षेत्र में बर्फबारी के कारण रास्ते अवरुद्ध हो गए हैं, जिन्हें हटाने के लिए सैकड़ों स्थानीय ग्रामीणों और बचाव दल को तैनात किया गया है। बीबीसी ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि कुछ पर्यटकों को पहले ही बचा लिया गया है। बर्फबारी का यह दौर शुक्रवार शाम से शुरू हुआ और तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के पूर्वी हिस्से में और तेज हो गया। यह इलाका पर्वतारोहियों के बीच काफी लोकप्रिय है। माउंट एवरेस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है, जिसकी ऊंचाई 8,849 मीटर से अधिक है, और इसे चीन में माउंट कोमोलांगमा कहा जाता है।

यूक्रेन में रूसी कहर, 5 नागरिक मारे गए, ल्वीव से जापोरिज्जिया तक हाहाकार

रूस द्वारा यूक्रेन के नौ क्षेत्रों पर किए गए बड़े हमले में कम से कम पांच नागरिकों की मौत हो गई और नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला मुख्य रूप से मिसाइलों, ड्रोनों और बमों का उपयोग करके किया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार सुबह जानकारी दी कि मॉस्को ने लगभग 500 ड्रोन और 50 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले में पश्चिमी यूक्रेन का शहर ल्वीव सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। क्षेत्रीय अधिकारियों और यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार, ल्वीव में चार लोगों की मौत हुई और कम से कम चार अन्य घायल हुए। ल्वीव के महापौर एंड्री सदोवी ने बताया कि हमले के कारण रविवार तड़के दो जिलों में बिजली गुल हो गई और सार्वजनिक परिवहन कुछ घंटों के लिए बाधित रहा। ल्वीव के बाहरी इलाके में एक व्यावसायिक परिसर में आग भी लग गई। वहीं, दक्षिणी शहर जपोरिज्जिया में रात के समय हुए हवाई हमले में एक महिला की मौत हो गई और 16 वर्षीय लड़की सहित नौ अन्य लोग घायल हो गए, जैसा कि गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया। यूक्रेन के रेलवे एवं विद्युत ग्रिड पर रूस ने हमले तेज कर दिए हैं। शनिवार को एक अन्य घटना में, एक रेलवे स्टेशन पर हुए रूसी ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दर्जनों अन्य घायल हो गए।

मरियम नवाज का सबसे बड़ा कबूलनामा, पूरे पाकिस्तान में मचा हड़कंप

भिखारिस्तान मतलब कि पाकिस्तान और उसके कटोरे की दास्तान तो पूरी दुनिया में चलती आ रही है। कभी आईएमएफ तो कभी वर्ल्ड बैंक, कभी चीन तो कभी अमेरिका के सामने पाकिस्तान का कटोरा पेश होता ही रहा है। दुनिया में कटोरा डिप्लोमैसी करने वाला पाकिस्तान इस कदम भिखमंगा बन चुका है कि उसकी सच्चाई अब आवाम के साथ साथ खुद शहबाज के रिश्तेदार भी दुनिया को बता रहे हैं। पूरी दुनिया जो खुली जुबां में कहती है वो अब उसके हुक्मरान भी मानने लगे हैं। दरअसल, मरियम नवाज शरीफ ने कुछ ऐसा ही कबूलनामा हाल ही में किया, जिसमें उन्होंने भिखारिस्तान की पूरी सच्चाई खुद ही दुनिया के सामने खोल कर रख दी। मरियम नवाज पाकिस्तान में स्टेज पर खड़े होकर खुद मान रही है कि कैसे पाकिस्तान की इज्जत पूरी दुनिया में दो कौड़ी की भी नहीं रही है। कैसे पाकिस्तान दुनिया में सिर्फ कटोरा लेकर खड़ा है। मरियम नवाज फैसलाबाद में स्टेज पर खड़ी होकर झोली फैलाकर दिखा रही हैं। पाकिस्तान की असलियत न सिर्फ फैसलाबाद बल्कि पूरी दुनिया को बता रही हैं। दुनिया जानती है कि पाकिस्तान आज जो भी काम कर रहा है वो भीख की बदौलत है। वहां के हुक्मरान जहां जाते हैं, भीख मांगने लगते हैं। आईएमएफ से लोन लेकर जो देश चलाया जा रहा है। यहां तक की उसकी डिप्लोमैसी को भी कटौरा डिप्लोमैसी ही कहा जाता है। ये बात आवाम भी अच्छे से जानती है। एक रैली में मरियम ने कहा कि कुछ लोग बाढ़ पर सियासत कर रहे हैं। बाढ़ से पंजाब परेशान है और हम इसे दुरुस्त करने में लगे हैं, लेकिन कुछ लोग उंगली उठा रहे हैं। मुझ पर अगर कोई निजी हमला करना चाहता है तो कर लें, लेकिन बाढ़ पर सवाल उठाया तो उंगली तोड़ दूंगी। नेशनल असेंबली में मरियम नवाज के बयान पर बवाल मच गया है। पीपीपी के सांसदों ने मरियम से तुरंत माफी मांगने के लिए कहा है। असेंबली में पीपीपी के सांसदों का कहना है कि मुद्दों की राजनीति में हिंसा की कोई जगह नहीं है। पाकिस्तान के हुक्मरानों यानी शहबाज एंड कंपनी ने पाकिस्तानियों को किसी लायक नहीं छोड़ा है। पाकिस्तान पर कुल जीडीपी का 42 : कर्ज है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार सिर्फ 15 अरब डॉलर है। पाकिस्तान में गरीबी दर 40 फीसदी पहुंच चुकी है। पाकिस्तान में महंगाई दर 24 फीसदी तक पहुंच चुकी है। पाकिस्तान के 80 : लोगों को पौष्टिक आहार तक नसीब नहीं होता है। सोचिए ऐसे हालात में अब पाकिस्तानी भीख नहीं मांगेंगे तो भला क्या करेंगे?

सेना प्रमुख की चेतावनी पर पाकिस्तान का पलटवार, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ बोले-

लड़ाकू विमानों के मलबे में दफन हो जाएगा भारत

भारतीय सैन्य नेताओं की कड़ी चेतावनियों के बाद, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत के खिलाफ धमकी जारी की। उन्होंने कहा कि अगर तनाव बढ़ा तो भारत ष्अपने लड़ाकू विमानों के मलबे के नीचे दब जाएगाष। यह धमकी भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा इस्लामाबाद को आतंकवाद के समर्थन के बारे में चेतावनी देने के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि इससे वह दुनिया के नक्शे से गायब हो सकता है। आसिफ ने भारतीय नेताओं पर विश्वसनीयता हासिल करने के लिए ष्भड़काऊ बयानष देने का आरोप लगाया। उन्होंने इन टिप्पणियों को मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी प्रतिष्ठा बहाल करने का एक ष्असफल प्रयासष बताया। आसिफ ने 0–6 के स्कोर का जिक्र करते हुए, ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान द्वारा छह भारतीय विमानों को मार गिराए जाने के अपुष्ट दावों की ओर इशारा किया, हालाँकि कोई सबूत नहीं दिया गया।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का बयान

आसिफ की यह टिप्पणी भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुखों और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा पाकिस्तान को किसी भी दुस्साहस के प्रति आगाह किए जाने के बाद आई है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय सैन्य और राजनीतिक नेताओं द्वारा दिए गए ऐसे बयान उनकी खोई हुई विश्वसनीयता को बहाल करने का एक असफल प्रयास थे और मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद दबाव के कारण थे।

पाक मंत्री की भारत को दफनाने की धमकी

आसिफ ने कहा, भारतीय सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व के बयान उनकी धूमिल प्रतिष्ठा को बहाल करने का एक असफल प्रयास हैं। 0–6 के स्कोर वाली इतनी निर्णायक हार के बाद, अगर वे फिर से कोशिश करते हैं, तो ईश्वर की इच्छा से, स्कोर पहले से कहीं बेहतर होगा।ष हालाँकि आसिफ ने 0–6 के स्कोर से अपने आशय के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन इसे व्यापक रूप से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान द्वारा छह भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराने के अपुष्ट दावों के रूप में संदर्भित किया जाता है। इस्लामाबाद ने अपने दावों के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया है। ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को शुरू किया गया था और भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ढाँचों को निशाना बनाया था। इन हमलों के बाद चार दिनों तक भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुईं। भारत यह कहता रहा है कि भारतीय सेना द्वारा विभिन्न पाकिस्तानी सैन्य ढाँचों पर बमबारी के बाद पाकिस्तान ने मई में शत्रुता समाप्त करने का अनुरोध किया था।

सेना प्रमुख, एयर चीफ मार्शल और राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को चेतावनी

4 अक्टूबर को, सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वह विश्व मानचित्र पर अपना स्थान बनाए रखना चाहता है तो उसे अपनी धरती पर आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नई दिल्ली द्वारा दिखाया गया संयम भविष्य में किसी भी सैन्य संघर्ष की स्थिति में दोहराया नहीं जाएगा। जनरल द्विवेदी ने कहा, एक देश के रूप में, भारत इस बार पूरी तरह तैयार है। और इस बार, वह ऑपरेशन सिंदूर 1. 0 के दौरान दिखाए गए संयम का परिचय नहीं देगा। इस बार हम एक कदम आगे बढ़ेंगे और इस तरह से कार्य करेंगे जिससे पाकिस्तान को यह सोचना पड़ेगा कि वह विश्व मानचित्र पर बना रहना चाहता है या नहीं। इसके अलावा, एयर चीफ मार्शल एपी

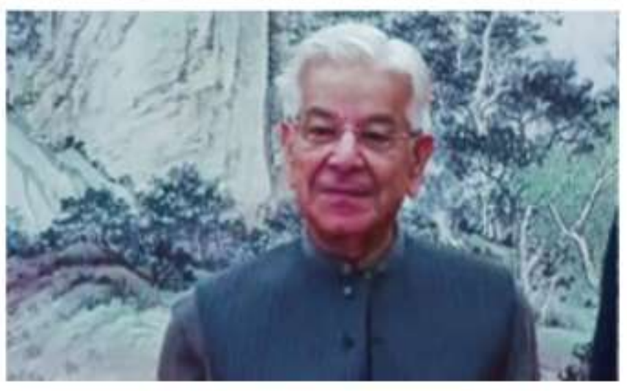

सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हमलों में अमेरिकी मूल के ष्–16 जेट सहित कम से कम एक दर्जन पाकिस्तानी सैन्य विमान नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने भारत के नुकसान के इस्लामाबाद के दावों को काल्पनिक कहानियाँ बताया। उन्होंने कहा, ष्खुफिया रिपोर्ट से हमें जो जानकारी मिली है, वह यह है कि इन हमलों के कारण कम से कम चार जगहों पर रडार, दो जगहों पर कमांड और कंट्रोल सेंटर, दो जगहों पर रनवे और फिर तीन अलग–अलग स्टेशनों पर उनके तीन हैंगर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। शुक्रवार को हैदराबाद में एक कार्यक्रम में, राजनाथ सिंह ने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 के बालाकोट हवाई हमले और ऑपरेशन सिंदूर का हवाला देते हुए कहा कि भारत अपने लोगों की रक्षा और देश की एकता व अखंडता की रक्षा के लिए जब भी आवश्यक हो, किसी भी सीमा को पार कर सकता है। पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए, राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि सर क्रीक क्षेत्र में इस्लामाबाद द्वारा किया गया कोई भी दुस्साहस एक षनिर्णायक प्रतिक्रियाष को आमंत्रित करेगा जो इतिहास और भूगोल दोनों को बदलने के लिए पर्याप्त रूप से सशक्त हो सकती है। सर क्रीक गुजरात के कच्छ के रण और पाकिस्तान के बीच 96 किलोमीटर लंबा ज्वारीय मुहाना है और दोनों पक्षों द्वारा समुद्री सीमा रेखाओं की अलग–अलग व्याख्याओं के कारण इसे एक विवादित क्षेत्र माना जाता है। भारत और पाकिस्तान के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंध 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी, के बाद और बिगड़ गए। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने सहित कई कूटनीतिक कदम उठाकर जवाब दिया। नई दिल्ली ने स्पष्ट कर दिया है कि इस्लामाबाद के साथ भविष्य की किसी भी बातचीत में केवल पीओके को भारत को वापस करने की बात शामिल होगी।

नेपाल: मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ में 52 लोगों की मौत

पूर्वी नेपाल में विभिन्न स्थानों पर कल रात से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन हुआ और बाढ़ आई, जिससे रविवार सुबह तक कम से कम 52 लोगों की मौत हो गई। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार सुबह 10 बजे से रविवार सुबह 10 बजे तक हुई मौतों में से अधिकांश 37 लोग सबसे अधिक प्रभावित कोशी प्रांत से थे जहां बाढ़, भूस्खलन, बिजली गिरने और सड़क दुर्घटनाओं के कारण मरने वालों की संख्या में वृद्धि हुई, जबकि नेपाल के सात प्रांतों में से पांच कोशी, मधेस, बागमती, गंडकी और लुम्बिनी में मानसून सक्रिय था। स्थानीय मीडिया ने जल विज्ञान और मौसम विज्ञान विभाग के हवाले से रविवार सुबह बताया कि शुक्रवार से लगातार हो रही बारिश के कारण पूर्वी नेपाल में आठ प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गई

हैं। साथ ही बागमती और पूर्वी राप्ती नदियों के आसपास के क्षेत्रों के लिए रेड अलर्ट भी जारी किया गया है। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि रविवार सुबह आसमान साफ़ होने के बाद काठमांडू से घरेलू उड़ानें फिर से शुरू हो गईं। खराब मौसम के कारण शनिवार से सभी प्रांतों के लिए उड़ानें रोक दी गई थीं। नेपाल सेना, नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के जवानों को विभिन्न क्षेत्रों में बचाव अभियान चलाने के लिए तैनात किया गया। इलाम जिले से एक गर्भवती महिला सहित चार लोगों को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थान पर लाया गया गया और धरान नगरपालिका के एक अस्पताल में ले जाया गया। नेपाल सरकार ने रविवार को वर्षाजनित आपदाओं में मारे गए लोगों के परिजनों को तत्काल राहत के रूप में 2,00,000 नेपाली रुपये (एनआर) देने की घोषणा की। राष्ट्रीय आपदा एवं जोखिम न्यूनीकरण प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के एक बयान में कहा गया है कि मृतकों के परिजनों को आर्थिक मुआवजा देने के अलावा, घायलों को मुफ्त इलाज मुहैया कराया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हिमालयी राष्ट्र को मदद की पेशकश करते हुए कहा कि भारत हर प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने एक्स पर लिखा, नेपाल में भारी बारिश के कारण हुई जान–माल की हानि और क्षति दुखद है। हम इस कठिन समय में नेपाल की जनता और सरकार के साथ है। बाढ़ और भूस्खलन के कारण उदयपुर में दो और पंचथार में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा, रौतहट में बिजली गिरने से तीन और खोतांग जिले में दो लोगों की मौत हो गई। इस बीच, पंचथार जिले में भारी बारिश के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण हुई एक दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। रसुवा जिले के लांगटांग संरक्षण क्षेत्र में उफनती नदी में बह जाने से कम से कम चार लोग लापता हो गए।

म्यांमार में एक घंटे के भीतर भूकंप के दो झटके

म्यांमार में एक घंटे के भीतर दो बार भूकंप के झटके लगे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि रविवार आधी रात के थोड़ी ही देर बाद म्यांमार में करीब 12.16 बजे 3.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 73 किलोमीटर की गहराई में आया। इसके करीब एक घंटे बाद 01.14 बजे धरती एक बार फिर कांपी। रिक्टर पैमाने पर भूकंप के दूसरे झटके की तीव्रता 3.6 मापी गई। इस भूकंप का केंद्र 88 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के कारण किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

फलस्तीन समर्थकों के प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाएगा ब्रिटेन

ब्रिटेन, बार–बार होने वाले विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। सरकार ने रविवार को कहा कि लगातार होने वाले विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए अब पुलिस को और अधिकार मिलेंगे। इससे उसे मार्च और प्रदर्शनों पर शर्तें लगाते समय प्रदर्शनों के समग्र प्रभाव पर विचार करने का मौका मिलेगा। यह फैसला राजधानी लंदन में प्रतिबंधित समूह फलस्तीनी एक्शन के समर्थन में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान लगभग 500 लोगों की गिरफ्तार के बाद लिया गया है।

टीटीपी आतंकियों व शांति समिति सदस्यों के बीच झड़प, दो की मौत

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों और शांति समिति के सदस्यों के बीच झड़प में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार को टैंक जिले में गुल इमाम में हुई। झड़प में कई घायल भी हुए हैं।ष्मृतकों में एक पैदल यात्री भी शामिल है। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर आतंकवादियों की तलाश तेज कर दी है।

पाकिस्तान में बंदूकधारियों ने की अफगान मौलवी की हत्या

पाकिस्तान के पेशावर में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक अफगान मौलवी की गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना ऐसे समय में हुई, जब अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान में निर्वासन और उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, मृतक की पहचान पक्तिया प्रांत के अफगान इमाम आदम खान के रूप में हुई। खान पर रजा खान मरियमजई मस्जिद के पास हमला हुआ और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

अमेरिका : आईसीई प्रदर्शनकारियों ने महिला को गोली मारी, गंभीर

अमेरिका के शिकागो में कानून प्रवर्तन अधिकारी के वाहन को टक्कर मारने पर संघीय एजेंटों ने एक महिला को गोली मारकर घायल कर दिया। महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह घटना बढ़ते आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन विरोधी प्रदर्शन और ट्रंप सरकार की ओर से डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में अशांति को कम करने के प्रयासों के बीच हुई। संघीय एजेंटों का दावा है 10 कारों ने मिलकर अधिकारियों को घेर लिया था। इनमें एक कार के चालक के पास अर्ध–स्वचालित हथियार था, इसलिए उन्हें आत्मरक्षा में गोली चलानी पड़ी।

रूस ने पाक को लड़ाकू विमान के इंजन बेचने के दावे को किया खारिज

रूस ने पाकिस्तान के जेएफ–17 थंडर ब्लॉक–3 लड़ाकू विमानों के लिए आरडी–93एमए इंजन आपूर्ति करने के दावों को खारिज किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि रूस ने पाकिस्तान को इन इंजनों की आपूर्ति करने का फैसला किया है। रूस ने कहा कि वह पाकिस्तान के साथ ऐसा कोई करार नहीं करेगा, जिससे भारत को असुविधा हो। मीडिया रिपोर्ट में एक रूसी सूत्र के हवाले से कहा गया है कि मॉस्को ने इस तरह की किसी भी सौदे की पुष्टि नहीं की है। सूत्र ने कहा कि यह रिपोर्ट भारत और रूस के बीच मजबूत और दीर्घकालिक सहयोग में दरार डालने की कोशिश है।

संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित किए गए भारतीय शांति सैनिक

दक्षिण सूडान में नागरिकों की रक्षा के लिए भारतीय शांति सैनिकों को संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित किया गया। संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल के कार्यवाहक मिशन प्रमुख ने अबेई में उन्हें सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें सूडान और दक्षिण सूडान के नागरिकों की रक्षा करने, तेल–समृद्ध सीमा क्षेत्र, अबेई के लिए दिया गया। यूएन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में भारतीय बटालियन के पराक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी है।

पाकिस्तान के मंत्री आसिफ बौखलाए, कहा- भारत को सैन्य संघर्ष का देंगे कड़ा जवाब

पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बाद अब रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रविवार को भारत को पाकिस्तान के साथ भविष्य में किसी भी सैन्य संघर्ष के खिलाफ चेतावनी दी। आसिफ ने कहा कि किसी भी सैन्य संघर्ष का भारत को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

8

लखनऊ मंगलवार, 07 अक्टूबर 2025

जनता दर्शन: लोगों की समस्याओं से रूबरू हुए सीएम योगी, बोले- हर चेहरे पर खुशी व संतुष्टि ही सरकार की प्राथमिकता

लखनऊ। जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ प्रदेशभर से आए लोगों की समस्याओं से रूबरू हुए। लोगों की समस्याएं सुनकर निश्चित समयावधि में निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देशित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हर चेहरे पर खुशी व संतुष्टि ही सरकार की प्राथमिकता है। राजधानी लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्जनता दर्शनश में प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र लेकर अफसरों को निश्चित समयावधि में उनका निस्तारण कराने के लिए कहा। इस मौके पर पुलिस, राजस्व और आर्थिक सहायता से जुड़े मामले लेकर फरियादी पहुंचे थे। अपनी समस्याएं लेकर मुख्यमंत्री से मिलने के लिए 50 से अधिक पीड़ित पहुंचे थे। सीएम एक-एक करके सभी के पास पहुंचे। उनका प्रार्थना पत्र लिया। तत्काल निराकरण के लिए अफसरों को निर्देश दिया। इस दौरान पुलिस, बिजली, नौकरी और आर्थिक सहायता की मांग लेकर फरियादी पहुंचे थे। श्जनता दर्शनश से भी हो रहा समस्याओं का निराकरण इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि किसी के चेहरे पर खुशी लाना ही ईश्वर की सेवा है। प्रदेश सरकार हर पीड़ित को खुशहाल करने की भावना से कार्य कर रही है। सरकार की योजनाओं का बिना भेदभाव सभी को लाभ मिल रहा है। श्जनता दर्शनश के माध्यम से भी समस्याओं का निराकरण कराया जा रहा है। बच्चों को दी चॉकलेट सीएम ने श्जनता दर्शनश में फरियादियों के साथ आए बच्चों का भी हाल जाना। उनके सिर पर हाथ फेरकर दुलार किया। उन्हें अपनत्व का अहसास कराया। सभी बच्चों को चॉकलेट-टॉफी देकर खूब पढ़ने-खेलने की भी सलाह दी।

हो रहा समस्याओं का निराकरण

● इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि किसी के चेहरे पर खुशी लाना ही ईश्वर की सेवा है। प्रदेश सरकार हर पीड़ित को खुशहाल करने की भावना से कार्य कर रही है। सरकार की योजनाओं का बिना भेदभाव सभी को लाभ मिल रहा है। जनता दर्शन के माध्यम से भी समस्याओं का निराकरण कराया जा रहा है।

बच्चों को दी चॉकलेट

● सीएम ने जनता दर्शन में फरियादियों के साथ आए बच्चों का भी हाल जाना। उनके सिर पर हाथ फेरकर दुलार किया। उन्हें अपनत्व का अहसास कराया। सभी बच्चों को चॉकलेट-टॉफी देकर खूब पढ़ने-खेलने की भी सलाह दी।

मालेगांव ब्लास्ट मामले में निर्णय हुआ है, न्याय नहीं मिला : सुधाकर चतुर्वेदी

लखनऊ,संवाददाता। मालेगांव बम विस्फोट मामले से बरी हुए सुधाकर चतुर्वेदी ने आज यहां कुर्सी रोड स्थित अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के मुख्यालय में कहा कि मालेगांव बम धमाके के मामले में आरोपियों को बरी करने का निर्णय जरूर दिया गया है, लेकिन उन्हें कोई न्याय नहीं मिला है, वास्तविक न्याय तभी मिलेगा जब तक असली दोषी सामने नहीं आ जाते। श्री चतुर्वेदी ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मालेगांव बम विस्फोट की आड़ में हिन्दू समाज और हिन्दू भगवा को आतंकवाद का नाम देकर बदनाम करने का भरसक प्रयास किया, लेकिन न्यायालय ने इस मामले में फंसाये गये आरोपियों को बरी कर कांग्रेस की उम्मीदो पर पानी फेर दिया। इससे पहले अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के मुख्यालय पहुंचे श्री सुधाकर चतुर्वेदी का मंत्रोंचारण के बीच उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी, प्रवक्ता बाबा महादेव, राष्ट्रीय संयोजक पंकज तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ला, आचार्य शिवपूजन दीक्षित सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कहा कि मालेगांव ब्लास्ट मामले में श्री सुधाकर चतुर्वेदी भले ही बरी कर दिया गया हो लेकिन इस मामले में झूठा फंसा कर उनके महत्वपूर्ण जीवन के समय को बर्बाद किया गया, इसकी भरपाई तभी संभव हो सकेगी जब तक इस मामले के असली दोषी कटघरे में नही होंगे।

एम्पैथ लैब्स ने लखनऊ में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया

लखनऊ,संवाददाता। एम्पैथ लैब ने हाल ही में लखनऊ में 21 स्वास्थ्य जांच शिविरों (हेल्थ चौकअप कैम्पों) का आयोजन किया, जिनमें स्थानीय समुदाय की ओर से उत्साहजनक उपस्थिति देखी गई। कुल 375 व्यक्तियों ने हेल्थ पैकेज बुक किए, जिनमें एएम-फिट फ्रीडम, एएम-फिट फ्रीडम प्लस और एएम-फिट केयर प्लस शामिल थे। सभी प्रतिभागियों को करवाए गए टेस्टों की रिपोर्ट हार्ड कॉपी और डिजिटल दोनों स्वरूपों में त्वरित और सटीकता के साथ प्राप्त हुई। इस मौके पर डॉ. अनम फातिमा सिद्दीकी, एमडी पैथोलॉजी, एम्पैथ लैब्स ने कहा कि 'प्रारंभिक पहचान और रोकथाम के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच बेहद जरूरी है। एम्पैथ लैब्स में, हमारा लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण हेल्थकेयर को सभी के लिए सुलभ बनाना है, चाहे वह कहीं भी हो। ये शिविर न केवल लोगों के डायग्नोस्टिक को उनके करीब लाते हैं, बल्कि उन्हें प्रिवेंटिव केयर के महत्व के बारे में भी शिक्षित करते हैं। ये शिविर स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगाने और सक्रिय स्वास्थ्य प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के लिए एम्पैथ की चल रही पहल का एक हिस्सा हैं। शिविरों में ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल और महत्वपूर्ण अंगों के कार्य जैसे आवश्यक स्वास्थ्य मापदंडों के लिए टेस्ट प्रदान किए गए, जिससे उन्हें अपने समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने और सुधारने के लिए समय पर और सूचित कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। एम्पैथ लैब्स पूरे भारत में नियमित रूप से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन करती है, जो सभी के लिए सटीक, किफायती और आसानी से उपलब्ध होने वाली सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के उनके समर्पण को दर्शाता है। एडवांस्ड डायग्नेस्टिक टेक्नोलॉजी और मजबूत सामुदायिक पहुंच के संयोजन के साथ, एम्पैथ लैब्स यह सुनिश्चित करती है कि छोटे शहरों और कस्बों के लोग भी उच्च-गुणवत्ता वाली मेडिकल केयर सर्विसेज का लाभ उठा सकें। इन शिविरों के माध्यम से, एम्पैथ लैब्स गुणवत्तापूर्ण डायग्नोस्टिक्स उपलब्ध कराने और सभी को संबंधित और जरूरी नॉलेज प्रदान करने के अपने मिशन को जारी रखती है।

यूपी पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, चार आईपीएस अफसरों के तबादले

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश शासन ने पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल किया है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में चार आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इन तबादलों का असर राजधानी लखनऊ, औद्योगिक शहर कानपुर और राज्य पुलिस मुख्यालय तक देखने को मिलेगा। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी दीपेश जुनेजा को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) अभियोजन नियुक्त किया गया है। जुनेजा अब तक कई अहम जिम्मेदारियों पर तैनात रह चुके हैं और अपने सख्त प्रशासनिक रवैये के लिए जाने जाते हैं। आईपीएस विनोद कुमार सिंह को डीजी सीआईडी के साथ-साथ डीजी साइबर क्राइम का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। साइबर अपराधों में हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए यह कदम अहम माना जा रहा है। उम्मीद है कि सिंह की अगुवाई में राज्य में डिजिटल अपराधों की मॉनिटरिंग और रोकथाम को लेकर नई रणनीतियां लागू होंगी।

यूपी: प्रदेश में मौसम ने ली करवट, 11 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट, इन 15 इलाकों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी

लखनऊ। यूपी में अक्तूबर के मौसम में बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने आज कई जिलों में बारिश और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश में मानसून के विदा होने से पहले पूरब और पश्चिम दोनों संभागों में जोरदार बारिश देखने को मिली है। अब पश्चिमी विक्षोभ के असर से सोमवार को पश्चिमी यूपी में ओले भी गिरने वाले हैं। मौसम विभाग ने सोमवार के लिए पश्चिमी तराई के सहारनपुर, शामली, बिजनौर समेत 15 जिलों में गरज चमक के साथ ओले गिरने की आशंका जताई है। वहीं पश्चिम के 13 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवाएं चलने की भी चेतावनी है। लगभग 38 जिलों में मेघ गर्जन के साथ वज्रपात की भी आशंका है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से सोमवार को पश्चिमी यूपी के कई जिलों में भारी बारिश और गरज चमक के साथ ओले गिरने की चेतावनी है। बुधवार से पूर्वी और पश्चिमी यूपी में मौसम के शुष्क रहने के संकेत हैं। यहां है ओलावृष्टि होने की संभावना सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में। यहां है भारी बारिश का येलो अलर्ट सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल व आसपास के इलाकों में। आज फिर बदल सकता है मौसम का मिजाज राजधानी में रविवार को दिन चढ़ने के साथ धूप खिली। पारा चढ़ने के साथ गर्मी भी बढ़ी। हवा में नमी ज्यादा होने के कारण दोपहर में तीखी धूप के साथ उमस बेकाबू होती गई। हालांकि सुबह और शाम के वक्त नमी से भरी ठंडी हवाओं के चलते ही गर्मी से थोड़ी राहत रही। रविवार को धूप की तेजी के चलते अधिकतम तापमान में करीब तीन डिग्री का उछाल दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि सोमवार को एक बार फिर राजधानी क्षेत्र में बादलों की सक्रियता बढ़ने के आसार है। इससे छिटपुट बूंदाबांदी की संभावना भी है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से सोमवार को लखनऊ में बादलों की आवाजाही के साथ बूंदाबांदी की परिस्थितियां बन सकती हैं। इससे गर्मी और उमस से राहत मिलेगी। विक्षोभी की तीव्रता ज्यादा रही तो मंगलवार को भी बादल और बूंदाबांदी देखने को मिल सकती है। रविवार को दिन का अधिकतम तापमान 29 डिग्री की उछाल के साथ 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं न्यूनतम तापमान बिना किसी बदलाव के साथ 24.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

लखनऊ में हुआ मिसेज मूनलाइट 2025 का आयोजन

लखनऊ,संवाददाता। मिसेज मूनलाइट 2025 एक भव्य आयोजन रहा, जिसमें शालीनता, आत्मविश्वास और नारी सशक्तिकरण का शानदार संगम देखने को मिला। इस कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन मिसेज दीपिका सिंह भदौरिया और सुश्री प्रियांशी पांडेय द्वारा किया गया। यह आयोजन शीरोज हैंगआउट कैफे, अंबेडकर पार्क के सामने, विपिन खंड, गोमती नगर, लखनऊ में हुआ। इसमें विभिन्न क्षेत्रों से आई प्रेरणादायी महिलाओं ने अपनी प्रतिभा, गरिमा और व्यक्तित्व का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं सुश्री श्रुति सिंह, प्रिंसिपल, लोयोला इंटरनेशनल स्कूल। कार्यक्रम का शुभारंभ सौम्या वर्मा और उनकी टीम द्वारा देवी की स्तुति और फिर अन्य नृत्य प्रस्तुतियों के साथ हुआ । मुख्य आकर्षण रहा मिसेज मूनलाइट 2025 का ताज, जिसे मीनू आहूजा ने जीतकर अपनी सुंदरता, गरिमा और आंतरिक शक्ति का परिचय दिया। विजेता को प्रतिष्ठित ताज के साथ एक हीरे की अंगूठी प्रदान की गई। प्रथम व द्वितीय उपविजेता क्रमशः शिवांगी राजपूत और नीलम सिंह रहीं। कार्यक्रम में लगभग 20 से अधिक विशेष शीर्षक जैसे मिस बेस्ट कैटवॉक, मिस ब्यूटीफुल हेयर आदि भी प्रदान किए गए। प्रतिभागियों और अतिथियों को मनोरंजक खेलों में भाग लेकर आकर्षक उपहार जीतने का अवसर भी मिला। न्यायाधीशों के पैनल में सुश्री सुप्रिया सिंह बघेल, सुश्री प्रियंका दीक्षित, सुश्री शिवांगी बाजपेयी और सुश्री राखी आहूजा शामिल थीं। अलायंस क्लब्स इंटरनेशनल इस आयोजन के एनजीओ पार्टनर रहे। अलायंस क्लब्स डिस्ट 102 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अलाय अरविंद भटनागर व ट्रेजरार सुनीता भटनागर भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजक मिसेज दीपिका सिंह भदौरिया और सुश्री प्रियांशी पांडेय ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मिसेज मूनलाइट 2025 का उद्देश्य ऐसी महिलाओं को सम्मानित करना है जो शक्ति और करुणा का संतुलन बनाकर दूसरों को प्रेरित करती हैं। संगीत, उत्सव और भावनाओं से भरी इस शाम का समापन सभी सहयोगियों और प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद के साथ हुआ।इस आयोजन में 'मिसेज ब्यूटीफुल आईज' का खिताब प्रियंका सिंह को प्रदान किया गया, जबकि 'मिसेज ब्यूटीफुल मेहँदी' बनीं सँयोगिता सिंह। आरती कोचर मिसेज कॉन्फिडेंट बनीं 'मिसेज एलिगेंट' का खिताब संयुक्त रूप से रूफी इरशाद और जीनत मरियम को दिया गया। वहीं 'मिसेज ब्यूटीफुल हेयर' के सम्मान से पैट्रिशिया को नवाजा गया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि पूजा, मीता, नीलम और शिवांगी के साथ-साथ शाहिंदा, रूफी, जीनत और पैट्रिशिया ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और इस तरह यह आयोजन अनेकता में एकता का सुंदर उदाहरण बन गया।

अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल ने रोबोटिक सर्जरी से एंडोमेट्रियोसिस और फाइब्रॉइड से जूझ रही महिलाओं को दिया दर्द-मुक्त नया जीवन'

लखनऊ,संवाददाता। अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ की डॉ. नेहा नेगी, ऑब्स्टेट्रिक्स, गायनेकोलॉजी एंड रिप्रोडक्टिव मेडिसिन, एडवांस्ड लैप्रोस्कोपिक एंड रोबोटिक सर्जन ने उन महिलाओं के लिए नई उम्मीद जगाई है, जो वर्षों से गंभीर एंडोमेट्रियोसिस, एडेनोमायोसिस और फाइब्रॉइड के कारण दर्द और निराशा में जी रही थीं। डॉ. नेगी ने हाल ही में रोबोटिक सर्जरी की सटीकता का उपयोग करते हुए दो अत्यंत जटिल मामलों का सफलतापूर्वक इलाज किया, जो इस बीमारी के कारण बेहद दर्दभरी स्थिति में निराशाजनक जीवन जी रही थीं। पहली मरीज लगभग 8द्ध 10 वर्षों से एंडोमेट्रियोसिस और संबंधित बीमारियों से पीड़ित थीं। इस दौरान उनकी लैप्रोस्कोपिक सिस्टेक्टॉमी, ओपन फाइब्रॉइड सर्जरी, सी-सेक्शन तक हुआ और यहाँ तक कि गर्भाशय भी निकाला जा चुका था। गर्भाशय के हटने के बाद भी वे अपने डेली रूटीन के काम भी बिना दर्द के नहीं कर पा रही थीं, यहां तक की उन्हें प्रेश होने या यूरिन पास होने पर असहनीय दर्द होता था।उनकी पेल्विस का हिस्सा एंडोमेट्रियोसिस की वजह से पूरी तरह जम चुका था। यानी आंतें, मूत्रनलिका और अंडाशय आपस में बुरी तरह चिपक गए थे। कई अस्पतालों ने केस लेने से मना कर दिया, क्योंकि ऐसे में पारंपरिक सर्जरी लगभग असंभव थी। पारंपरिक सर्जरी की स्थिति में आंतों को बाहर निकालने की नौबत आ सकती थी और सर्जरी के दौरान पेशाब की नली या ब्लैडर को चोट पहुंचने का भी खतरा था। इसलिए अस्पतालों ने सर्जरी करने से इनकार कर दिया था। लंबे समय तक हार्मोनल इंजेक्शन और दवाओं पर रहने से वह डिप्रेशन तक की स्थिति में पहुँच गईं। अपोलोमेडिक्स में डॉ. नेगी की टीम ने रोबोटिक सर्जरी के जरिये यह चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन किया। रोबोटिक प्रणाली की हाई मैग्नीफिकेशन कैपेसिटी और मिलीमीटर-स्तर की सटीकता ने डॉक्टरों को महत्वपूर्ण अंगों को सुरक्षित रखते हुए गहरे जमे हुए एंडोमेट्रियोसिस टिशूज और बार-बार बनने वाले सिस्ट हटाने में सफलता प्रदान की। सर्जरी के बाद मरीज न केवल पूरी तरह लक्षणमुक्त है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी टिम्बर एसोसिएशन ने अलीगढ़ के सरवर आलम को प्रदेश सचिव नियुक्त किया

लखनऊ,संवाददाता। आज उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मोहनीश त्रिवेदी द्वारा सरवर आलम को प्रदेश सचिव के साथ साथ अलीगढ़ जिले का प्रभारी नियुक्त किया गया। श्री त्रिवेदी द्वारा प्रदेश महासचिव अख्तर खान की संस्तुति पर सरवर आलम को ये दायित्व सौपने के साथ ही कहा कि श्री सरवर उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन की नीतियों पर चलते हुए उत्तर प्रदेश के सभी टिम्बर व्यापारियों के हितों के लिए संघर्ष करने का कार्य करेंगे। श्री त्रिवेदी ने बताया कि जल्द ही संगठन का राष्ट्रीय स्तर गठन किया जाएगा ताकि उत्तर प्रदेश के साथ साथ देश भर के टिम्बर व्यापारियों को एक साथ लाया जा सके और इस साल के अंत तक राष्ट्रीय अधिवेशन के माध्यम से टिम्बर व्यापारियों की एकता को और मजबूत किया जा जाएगा। नियुक्ति पत्र सौंपने वालो में प्रमुख से प्रदेश अध्यक्ष मोहनीश त्रिवेदी,महासचिव अख्तर खान, अनिकेत सिंह, अधिवक्ता आस मोहम्मद सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बाल्मीकि जयंती आज, सरकारी अवकाश घोषित

लखनऊ,संवाददाता। आश्विन मास की पूर्णिमा को पूरा देश महर्षि वाल्मीकि जयंती मना रहा है। यह महज पर्व नहीं बल्कि उन मूल्यों और सिद्धांतों का उत्सव है जिन्हें आदिकवि वाल्मीकि ने अपने जीवन और काव्य के माध्यम से समाज को दिया। मानवता, धर्म, और नैतिकता के प्रतीक इस महान ऋषि की जयंती इस बार कल 7 अक्टूबर को मनाई जाएगी।आध्यात्मिक उत्सव और सांस्कृतिक रंग में रंगेगा भारत इस दिन पूरे देश में भक्ति और आस्था का माहौल रहेगा। मंदिरों, समुदायिक केंद्रों और सांस्कृतिक स्थलों पर विशेष आयोजन होंगे। रामायण के रचयिता को याद करते हुए लोग उनकी शिक्षाओं और जीवन-दर्शन को अपनाने का संकल्प लेंगे। उत्तर प्रदेश, दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यो ने इस दिन को सरकारी अवकाश घोषित कर दिया है, जिससे यह पर्व और व्यापक रूप से मनाया जा सके। योगी सरकार ने इस अवसर पर प्रदेशभर में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। कल सरकारी और गैर-सरकारी संस्थान, स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय बंद रहेंगे। यह अवकाश दिसंबर 2024 में कैलेंडर में पहले ही दर्ज था, अब इसकी औपचारिक पुष्टि के साथ शासन ने स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए है।लखनऊ समेत शहरों में शोभायात्राएं, धार्मिक झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। समाज में वाल्मीकि के विचारों को प्रसारित करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। महर्षि वाल्मीकि सिर्फ एक कवि या संत नहीं थे, वे भारतीय सभ्यता के उन शिल्पकारों में एक है जिन्होंने धर्म, कर्तव्य और करुणा को एक महाकाव्य के रूप में गढ़ा। रामायण केवल ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक शैली है जिसे उन्होंने लोक तक पहुंचाया। इस वर्ष उनकी जयंती ऐसे समय पर आ रही है जब समाज को फिर से सद्भाव, नैतिकता और सत्य के मार्गदर्शन की जरूरत है। ऐसे में यह दिन केवल श्रद्धा का नही बल्कि आत्मचिंतन और प्रेरणा का होगा।

नगर निगम ने सील किया सहारा शहर,सुब्रतो कोठी पर जड़ा ताला

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ नगर निगम ने आखिरकार सहारा शहर को सोमवार को सील कर दिया। सुब्रतो राय की कोठी पर भी ताला लगा दिया गया। विरोध कर रहे कर्मचारियों ने कहा पहले अंदर वालों को बाहर करो तब हम जाएंगे। यहां अब भी कई परिवार अंदर हैं, उन पर कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा। नगर निगम प्रशासन भारी पुलिस बल लेकर पहुंचा है। सहारा शहर के अंदर गहमागहमी का माहौल है। कर्मचारी और अंदर रहने वाले लोग सड़कों पर निकल आए हैं। सभी गुस्से में नगर निगम के अधिकारियों को भला-बुरा कह रहे हैं। अधिकारियों से उनकी बहस भी हुई। दूसरी तरफ नगर निगम एक्शन मोड में है। वह तय जगहों पर सीलिंग की कार्रवाई कर रहा है।

जनता नगरी में बुलडोजर देख बकरी-बच्चे को गोद में लेकर भागे,1.38 एकड़ जमीन पर 150 झोपड़ियां उजाड़ी

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) परिसर में अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चल रहे हैं। करीब 1.38 एकड़ जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया जा रहा है। बुलडोजर को देखकर वहां रह रहे लोग अपने बच्चे, बकरी और सामान को गोद में लेकर भागने लगे। लोगों का कहना है कि हमारे घर नहीं है। अब तो हम बर्बाद हो गए हैं। केजीएमयू परिसर में अतिक्रमण के खिलाफ 6 महीने के अंदर यह दूसरी कार्रवाई है। यहां अतिक्रमणकारियों को केजीएमयू प्रशासन ने नोटिस दिया था। लेकिन लोगों ने जमीन खाली नहीं की थी।जिस जमीन पर बुलडोजर चल रहे है, वह माध्यमिक शिक्षा विभाग की जमीन है। इसे करीब 3 महीने पहले कैबिनेट से प्रपोजल अप्रूव कराकर झळऊन को हैंडओवर किया गया था। यहां करीब 150 झोपड़ियां हैं। फिलहाल मौके पर 2 बुलडोजर चल रहे है। सीएम योगी ने इस जमीन को केजीएमयू को देने का ऐलान किया था। अख्तर हुसैन ने कहा हम गरीब लोग कहां जाएंगे? हमको घर ही मिल जाए। हम 10 साल से यहीं रह रहे हैं। हमें हटाने से पहले बताया भी नहीं गया। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराने के बाद यहां पर केजीएमयू का पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट बनाया जाएगा। बता दें कि केके सिंह पैरामेडिकल के डीन भी हैं। उन्होंने बताया कि केजीएमयू की तरफ से 2 बुलडोजर और गार्ड समेत 100 से ज्यादा स्टाफ बुलडोजर एक्शन के दौरान मौजूद रहा। विजय कुमार ने बताया यहां 35 साल से रह रहा हूं। जूता-चप्पल का काम करता हूं। दिनभर 300-400 रुपए कमाकर घर चलाता हूं। बीमार हुआ तो कोमा में चला गया। उसमें 17 लाख रुपए बर्बाद चले गए। मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि हमें कहीं घर दिया जाए। केजीएमयू के पास जगत नारायण रोड पर शिक्षा भवन के पीछे करीब 1.38 एकड़ की जमीन है। इस पर बसी बस्ती को जनता नगरी का नाम से जाना जाता था। यहां ज्यादातर मजदूरी करने वाले लोग रहते हैं। केजीएमयू के एडवाइजर ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया हम इन लोगों को 3 नोटिस दे चुके हैं। पहले नोटिस में भी इनसे कहा गया था कि अगर आपके पास कोई कागज है तो उसे दिखा दें।

संरक्षक नागेन्द्र सिंह चौहान ,स्वामी प्रकाशक व मुद्रक फलक खान द्वारा साइ आफसेट प्रिन्टर्स 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे कैसरबाग से मुद्रत होकर 24 / 298 जय प्रकाश नगर नियर कल्याण भवन प्रयाग नारायण रोड, से प्रकाशित। सम्पादक जमील अहमद मो0 9236108786 Email: aagaaz.times@gmail.com

नोट : आगाज़ टाइम्स साप्ताहिक समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है प्रकाशित हुये लेख/समाचारों में ,विचार व्यक्तिगत रूप से लेखकों के है। इससे सम्पादक का सहमत होना जरूरी नहीं है। किसी भी विवाद कि स्थिति उत्पन्न होने पर केवल न्यायालय ही मान्य होगा।